Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 221
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,11 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 20 लीटर अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार
4 रेस्तरां स्टाइल बिरयानी बनाने की आसान रेसिपी
7 मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटीं

यूपी के 12,200 गांवों को बस की सौगात

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 से ग्रामीण जीवन होगा आसान

लखनऊ (एजेंसी) : योगी कैबिनेट में परिवहन को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण इलाकों में परिवहन क्रांति लाने की तैयारी में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 के तहत प्रदेश के उन 12,200 से ज्यादा गांवों को पहली बार नियमित बस सेवा से जोड़ा जाएगा, जहां आज तक कोई सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है। राज्य में कुल लगभग 1 लाख गांव हैं, लेकिन इनमें से एक बड़ा हिस्सा मुख्य सड़कों, ब्लॉक या जिला मुख्यालय से कटा हुआ है। इस योजना से ग्रामीणों की रोजमर्रा की आवाजाही, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार में बड़ा बदलाव आएगा। परिवहन मंत्री का मास्टर प्लान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि योजना को प्रभावी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों के साथ-साथ निजी बस ऑपरेटरों को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा। निजी संचालकों को ग्रामीण रूट्स पर बस चलाने के लिए विशेष परमिट छूट और प्रोत्साहन दिए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा बसें इन क्षेत्रों में चल सकें। बसों का तैयार होगा सुविधाजनक टाइमटेबल परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि बसों का सुविधाजनक टाइमटेबल तैयार किया गया है। जहां सुबह 6 बजे गांव से बस रवाना होगी। रास्ते में 15-20 गांवों और ब्लॉक मुख्यालय से होते हुए सुबह 10 बजे तक जिला मुख्यालय पहुंचेगी। वापसी में शाम 4 बजे जिला मुख्यालय से चलेगी और रात 8 बजे तक मूल गांव लौट आएगी। इस तरह रोजाना एक फिक्स्ड शेड्यूल से ग्रामीणों को भरोसेमंद और समयबद्ध सेवा मिलेगी। ग्रामीणों को क्या-क्या मिलेंगे फायदे? - किसानों को अपनी उपज बाजार तक आसानी से पहुंचाने में मदद। - छात्र-छात्राओं के लिए स्कूल-कॉलेज जाना सरल। - महिलाओं, बुजुर्गों और बीमारों को अस्पताल, बाजार और जरूरी जगहों तक पहुंच आसान। - स्थानीय बाजारों में व्यापार बढ़ेगा, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। - बस संचालन से जुड़े कामों में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह योजना ग्रामीण विकास को नई गति देगी और गांवों को मुख्यधारा से जोड़ेगी।

नैनीताल में इको-टूरिज्म, होमस्टे के साथ एडवेंचर टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

नैनीताल , (एजेंसी)। प्रदेश सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए पर्यटन को एक प्रमुख इंजन के रूप में विकसित करने के लिए योजनाएं बनाई हैं। इसी क्रम में नैनीताल जिले में इको-टूरिज्म, होमस्टे और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए पर्यटन विभाग अब नैनीताल में नए पर्यटन स्थल को विकसित करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को नए वित्तीय वर्ष का बजट पेश किया। इसमें उन्होंने पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करने पर जोर दिया है। इसी क्रम में जिले में होमस्टे व इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और जीवन शैली का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्त्रोत खुलेंगे। इको-टूरिज्म के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और टिकाऊ पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए वाटरफॉल के पास सौंदर्यीकरण होगा और दुकानों का आवंटन होगा। वहीं, एडवेंचर टूरिज्म के लिए बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग, ट्रेकिंग आदि को विकसित करने की भी योजना है। कोसी नदी में सीजन के दौरान रिवर राफ्टिंग कराई जाएगी। इन गतिविधियों के विकास से युवा पर्यटकों को आकर्षित करने और जिले को एक रोमांचक गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस पहल के तहत, राज्य में पर्यटन से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है जिसका उद्देश्य न केवल पर्यटकों को आकर्षित करना है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करना है। गोलू देवता और हनुमानगढ़ मंदिर का होगा कायाकल्प राज्य सरकार की ओर से शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं में मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत नयना देवी मंदिर का जीर्णोद्धार चल रहा है। वहीं, दूसरे चरण में घोड़ाखाल में श्री गोलू देवता मंदिर और हनुमानगढ़ मंदिर का भी जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले मंदिरों को जोड़ना और उनका कायाकल्प करना है जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

केंद्र के निर्देश के बाद रिफाइनरियों ने बढ़ाया एलपीजी उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस (एलपीजी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन करीब 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, तेल रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन लगभग 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है और सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं। गैस सिलिंडर की बुकिंग का प्रतीक्षा समय बढ़ा केंद्र सरकार के निर्देश के बाद उत्पादन बढ़ाने के इस कदम से संभावित आपूर्ति बाधित होने को लेकर उठ रही चिंताओं को कम करने में मदद मिली है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग और अनियमितताओं को रोकने के लिए नए गैस सिलिंडर की बुकिंग के बीच प्रतीक्षा अवधि भी 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है। एलपीजी की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

विपक्ष ने स्पीकर ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव किया पेश

50 से अधिक सांसदों का मिला साथ

नई दिल्ली (एजेंसी): विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए एक संकल्प मंगलवार को सदन में पेश किया। संकल्प पेश करने के समर्थन में 50 से अधिक सदस्य खड़े हुए, जिसके बाद पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने इस संकल्प को प्रस्तुत करने की अनुमति दी। संकल्प पेश किए जाने से पहले एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि ओम बिरला ने

जगदंबिका पाल की नियुक्ति की है, ऐसे में पाल पीठासीन सभापति की भूमिका का निर्वहन नहीं कर सकते। कांग्रेस के सांसद केसी वेणुगोपाल ने ओवैसी की बात का वस्तुतः समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने लोकसभा उपाध्यक्ष का निर्वाचन नहीं किया है और संवैधानिक शून्यता की स्थिति पैदा की है। उनका कहना था कि सदन को एक व्यक्ति का चयन करना चाहिए जो कार्रवाई का संचालन करे। तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने इसी राय का समर्थन किया। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि जो भी आसन पर होगा उसे अध्यक्ष की तरह अधिकार होगा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सदन के नियम के तहत जिन्हें पीठासीन सभापति नियुक्त किया गया है उसे सदन संचालन का पूरा अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के लोग चर्चा करने से भाग रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जिस विषय पर आसन से आदेश दे दिया गया है, उस पर व्यवस्था का प्रश्न उठाया गया, जो उचित नहीं है।

कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने; भाजपा ने बयान को बताया शर्मनाक: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से राहुल गांधी पर हमला बोला। मालवीय ने कांग्रेस नेता और उनके नेतृत्व में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित अकसमिट को बाधित करने और नग्न प्रदर्शन करने की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी बड़े गर्व से कह रहे हैं कि कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने जबकि असल में इस प्रदर्शन ने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने लिखा जब दुनिया भर के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निमार्ता और इनोवेटर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य पर चर्चा कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी को लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का

सबसे अच्छा तरीका अराजकता और अशोभनीय प्रदर्शन है। कांग्रेस का व्यवहार नेहरू के आदर्शों के बिल्कुल विपरीत विडंबना यह है कि जिस जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अपना वैचारिक स्तंभ मानती है, उन्होंने कभी राष्ट्रीय चरित्र और निष्ठा को लेकर बिल्कुल अलग दृष्टिकोण रखा था। 1950 के दशक में, जब महाराजा यशवंतराव होलकर द्वितीय के निधन के बाद इंदौर की गद्दी के उत्तराधिकार का सवाल उठा, तब यह मुद्दा सामने आया कि क्या उनकी अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होलकर को होलकर वंश की विरासत मिलनी चाहिए। उस समय की सरकार, जिसमें राजेंद्र प्रसाद और सरदार वल्लभभाई पटेल भी शामिल थे, के साथ विचार-विमर्श के बाद नेहरू ने स्पष्ट मत रखा, उत्तराधिकारी वही होना चाहिए जो भारतीय माँ से जन्मा हो। यह फैसला एक नए आजाद देश की भावना को दर्शाता था कि वंश, निष्ठा और सभ्यतागत जुड़ाव मायने रखते हैं। आखिरकार सरकार ने महाराजा की भारतीय पत्नी से जन्मी बेटी राजकुमारी उषा देवी राजे साहिब होलकर को होलकर वंश की वैध उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी। बाद में नेहरू ने खुद लिखा कि उनकी मान्यता इसलिए हुई क्योंकि वह जन्म से ही होलकर वंश का हिस्सा थीं। यह उदाहरण साफ बताता है कि राष्ट्रीय पहचान और निष्ठा कोई अमूर्त विचार नहीं हैं।

मार्च की शुरूआत में ही चढ़ने लगा पारा, हिमाचल में लू और राजस्थान-गुजरात में गर्म हवा की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकतर हिस्सों में मौसम के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। जहां उत्तर और पश्चिम में तापमान बढ़ने के साथ लू (हीटवेव) की स्थिति बनने लगी है, वहीं पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान, वज्रपात और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में भीषण लू की चेतावनी दी है, जबकि राजस्थान, सौराष्ट्र-कच्छ और गुजरात के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों तक गर्म हवाएं चल सकती हैं। इस साल मार्च की शुरूआत में ही राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गर्मी ने लोगों को हैरान कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में धूप इतनी तेज महसूस हो रही है कि मौसम अप्रैल जैसा लगने लगा है। आमतौर पर मार्च में तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है, लेकिन इस बार गर्मी ने जल्दी दस्तक दे दी है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

'आप मेरे छोटे भाई जैसे, पर संसदीय मामलों की बारीकियां समझें'

रिजिजू का गौरव गोगोई पर पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने गोगोई को नासमझ बताते हुए कहा कि उन्हें मंत्रालय के कामकाज की जानकारी नहीं है। रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला का बचाव किया और उनके कार्यकाल में हुए डिजिटल सुधारों की तारीफ की। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। लोकसभा में गोगोई ने रिजिजू को सदन की कार्यवाही में सबसे बड़ी बाधा डालने

वाला बताया था। इसके जवाब में रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी सांसद को अपने विचार रखने का पूरा हक है, लेकिन वे मंत्रालय की भूमिका और जिम्मेदारी से अनभिज्ञ हैं। क्या बोले केंद्रीय मंत्री? लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के प्रस्ताव पर जवाब देते हुए रिजिजू ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य संविधान के नियमों और कानूनों से बंधे हुए हैं। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। रिजिजू ने कहा कि जब कोई व्यक्ति खुद को सबसे ऊपर समझने लगता है, तो उसे टोकना जरूरी हो जाता है। गौरव गोगोई पर क्या बोले रिजिजू? गौरव गोगोई के दावों पर रिजिजू ने कहा कि गोगोई तीन बार से संसद सदस्य हैं, लेकिन उन्हें अब तक संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारियों का पता नहीं है। उन्होंने कहा, गोगोई मेरे छोटे भाई जैसे हैं। लेकिन मंत्रालय के कामकाज पर सवाल उठाने से पहले उन्हें काम करने के तरीके की बारीकियों को सीखना और समझना चाहिए। इससे पहले गौरव गोगोई ने रिजिजू पर हमला करते हुए कहा था कि भविष्य में जब संसद के रिकॉर्ड देखे जाएंगे।

ममता बनर्जी के वायरल बयान पर भड़की भाजपा, अकबरुद्दीन ओवैसी से कर दी तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक सोशल मीडिया वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वीडियो में ममता का बयान चिंताजनक और निंदनीय है। पात्रा ने आरोप लगाया कि ममता ने कहा कि अगर वह सत्ता में नहीं रहीं, तो एक विशेष समुदाय राज्य से समाप्त हो सकता है। पात्रा ने इसे पश्चिम बंगाल में बढ़ते हिंसा के संकेत के रूप में बताया और कहा यह मान लेना कि एक पूरा समुदाय राज्य से मिटाया जा

सकता है, बेहद गंभीर है। भाजपा नेता ने इसे अकबरुद्दीन ओवैसी के बयान के समान बताया और कहा कि ममता ने बस उसी भाव को अलग शब्दों में दोहराया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के बयान न केवल चिंताजनक हैं बल्कि पूरी तरह से निंदनीय भी हैं। गौरतलब ममता बनर्जी के एक वीडियो में कहा रक्योंकि मैं सीएम हूं इसलिए तुम सब सुरक्षित हो। अगर तुम मुझे हटाओगे और इखढ को वोट दोगे तो याद रखना कि एक कम्युनिटी है जो तुम सबको एक सेकंड में खत्म कर देगी, इसलिए अगर तुम सुरक्षित रहना चाहते हो तो मुझे वोट देते रहो।

देश के 62 रेस्टोरेंट पर आयकर छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग ने कर चोरी के शक में देशभर में कई प्रमुख रेस्टोरेंट की तलाशी ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि जांच के दौरान रेस्टोरेंट की ओर से 408 करोड़ की कम बिक्री बताए जाने का खुलासा हुआ। यह कार्रवाई हैदराबाद स्थित प्रसिद्ध बिरयानी रेस्टोरेंट समूह से जुड़े 70 हजार करोड़ के कर चोरी मामले के सामने आने के बाद की गई। आयकर विभाग को संदेह है कि इन रेस्टोरेंट समूह ने वास्तविक बिक्री छिपाने और कर बचाने के लिए हेरफेर में बिलिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है। सीबीडीटी ने बताया, 22 राज्यों के 46 शहरों में 62 रेस्टोरेंट का सर्वे किया गया। शुरूआती जांच में पता चला कि करीब 408 करोड़ की बिक्री छिपाई गई है। साथ ही, इन नतीजों की जांच चल रही है। कर अधिकारियों के नवंबर 2025 में फूड एवं बेवरेज सेक्टर में जांच शुरू करने के बाद यह कार्रवाई शुरू हुई। जांच के दौरान, यह पाया गया कि कई रेस्टोरेंट असल बिक्री को छिपाने के लिए बल्क बिल डिलीट करने और दूसरे बदलाव करने में लगे हुए थे।

'पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता', बोले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पिछले दो दिनों में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं और यहां के लोग शांतिपूर्ण व सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की संख्या फ्रांस और उरुग्वे जैसे देशों के कुल मतदाताओं के बराबर है। राज्य

में कितने मतदान केंद्र बनाए गए हैं? मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि राज्य में करीब 80,000 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से लगभग 61,000 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि मतदान प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। हटाए गए नामों को लेकर क्या बताया गया? उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) प्रक्रिया का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची शुद्ध हो और सभी योग्य मतदाताओं के नाम सूची में मौजूद हों।

'लोकसभा अध्यक्ष को विपक्ष का माइक बंद करने में महारत', महुआ मोइत्रा का तीखा हमला; मचा हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर तीखा हमला बोला है। मंगलवार को सदन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्पीकर ने विपक्षी सांसदों के माइक्रोफोन बंद करने की कला में महारत हासिल कर ली है। वे स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अपनी बात रख रही थीं। मोइत्रा ने बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने सदन में बहस के दौरान संसदीय प्रक्रियाओं को लेकर कई आपत्तियां उठाईं। महुआ मोइत्रा ने आरोप

लगाया कि सदन में भेदभाव होता है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों को अंत तक बोलने की इजाजत मिलती है, लेकिन जब भी विपक्ष अपनी बात रखने की कोशिश करता है, तो उनका समय कम कर दिया जाता है। मोइत्रा के अनुसार, स्पीकर ने योजनाबद्ध तरीके से विपक्ष की आवाज को दबाया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सांसदों की नहीं, बल्कि उन 41 करोड़ भारतीयों की आवाज को दबाने जैसा है जिन्होंने विपक्ष को चुनकर भेजा है। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए एक और बड़ी कमी बताई। मोइत्रा ने कहा कि नियम के मुताबिक स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के पद खाली होते ही भरे जाने चाहिए। लेकिन वर्तमान लोकसभा में अभी तक कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि इस प्रस्ताव पर बहस के दौरान कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा, इसके लिए सदन की सलाह नहीं ली गई। महुआ मोइत्रा ने अपने भाषण में खुद को सदन से निकाले जाने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह एक विडंबना है कि जिस स्पीकर ने उन्हें अपना बचाव करने का मौका नहीं दिया।

भारतीय रेलवे ने प्रमुख कॉरिडोरों में ट्रैक्शन और डिजिटल संचार व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए 765 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी

बड़ोदरा : भारतीय रेलवे ने नेटवर्क के महत्वपूर्ण खंडों में संचालन को सुदृढ़ करने, लाइन क्षमता बढ़ाने और संचार प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए ?765 करोड़ से अधिक की लागत वाले अनेक प्रमुख बुनियादी ढांचों और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण करने संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वीकृत परियोजनाओं में दो उच्च घनत्व वाले माल और यात्री कॉरिडोरों पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के साथ-साथ पश्चिम रेलवे के वडोदरा और मुंबई सेंट्रल डिवीजनों में ऑप्टिकल फाइबर संचार नेटवर्क के बड़े विस्तार को शामिल किया गया है। दुव्वाडाझविशाखापत्तनमझ विजयनगरम खंड में विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली का आधुनिकीकरण भारतीय रेलवे ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के अंतर्गत 106 किमी लंबे दुव्वाडाझविशाखापत्तनमझ विजयनगरम खंड पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 318.07 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी है। इस खंड में मौजूदा 125 केवी प्रणाली को आधुनिक कर 225 केवी प्रणाली में बदला जाएगा, जिससे अधिक माल लोडिंग क्षमता, बेहतर गति की संभावना और उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर पर अधिक विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित होगा। हावड़ाझचेन्नई मार्ग पर स्थित यह खंड ओडिशा और छत्तीसगढ़ से विशाखापत्तनम बंदरगाह तक खनिज और औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस आधुनिकीकरण से बिजली आपूर्ति क्षमता मजबूत होगी, जिससे मालगाड़ियों की आवाजाही सुचारु होगी और यात्री ट्रेनों का संचालन भी अधिक कुशल बनेगा। यह परियोजना 2024झ25 के रेलवे बजट में शामिल देशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय रेलवे में विद्युत ट्रैक्शन प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना है। रायचूरझगुंटकल खंड में विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली का आधुनिकीकरण भारतीय रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के गुंटकल डिवीजन के अंतर्गत कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में फैले 126 किमी लंबे रायचूरझगुंटकल खंड पर विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 259.39 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस खंड में मौजूदा 125 केवी प्रणाली को आधुनिक कर 225 केवी प्रणाली में बदला जाएगा, जिससे अधिक ट्रेन लोड क्षमता, बेहतर गति की संभावना और उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर पर अधिक परिचालन विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। मुंबईझचेन्नई मार्ग पर इस आधुनिकीकरण से बिजली आपूर्ति क्षमता मजबूत होगी, जिससे मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक सुचारु होगी और वंदे भारत ट्रेनों सहित यात्री सेवाएँ अधिक तेज और कुशल बन सकेंगी। यह परियोजना भारतीय रेलवे के 3,000 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग के लक्ष्य को प्राप्त करने के मिशन में भी योगदान देगी, साथ ही समग्र नेटवर्क दक्षता को बढ़ाएगी। यह कार्य 2024झ25 के रेलवे बजट में शामिल देशव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय रेलवे में विद्युत ट्रैक्शन प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना है। वडोदरा और मुंबई डिवीजनों में ओएफसी संचार बैकबोन की स्थापना का प्रावधान भारतीय रेलवे ने पश्चिम रेलवे के वडोदरा और मुंबई सेंट्रल डिवीजनों में संचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 187.88 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना के तहत 448 कोर ऑप्टिकल फाइबर के बल (ओएफसी) बैकबोन आर्किटेक्चर स्थापित किया जाएगा, जिससे अधिक बैंडविड्थ, नेटवर्क रिडंडेंसी और एलटीई आधारित कवच सहित अन्य महत्वपूर्ण रेलवे संचार प्रणालियों को विश्वसनीय सहयोग सुनिश्चित होगा। आधुनिकीकरण से कवच के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक डिजिटल अवसंरचना मजबूत होगी, जो एक स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली है। इस कार्य के अंतर्गत 1,000 रूट किलोमीटर से अधिक दूरी में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जाएगी, जिसमें 692 किमी वडोदरा डिवीजन और 308 किमी मुंबई डिवीजन शामिल हैं। यह परियोजना 2024झ25 के रेलवे बजट में शामिल एक बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे रेलवे नेटवर्क में कवच के विस्तार और रेलवे संचार प्रणालियों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है। रेल बुनियादी ढांचे और क्षमता को मजबूत बनाना स्वीकृत ये परियोजनाएँ प्रमुख रेल कॉरिडोरों पर ट्रैक्शन पावर प्रणालियों में सुधार, संचार बैकबोन अवसंरचना को मजबूत करने और माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के माध्यम से रेलवे संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाएँगी। ये पहल आधुनिक ट्रेनों के संचालन में सहयोग देने, डिजिटल संचार नेटवर्क को मजबूत करने और प्रमुख माल एवं यात्री मार्गों पर भारतीय रेलवे के समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में भी सहायक होंगी।

वाराणसी जं. से 19.05 बजे छूटकर मऊ 20.45 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुविधा हेतु 09195/09196 वडोदरा-मऊ-वड़ोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 14, 21 एवं 28 मार्च, 2026 प्रत्येक शनिवार को तथा मऊ से 15, 22 एवं 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को निम्नवत किया जायेगा। इस गाड़ी का ठहराव आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) में प्रदान किया जायेगा। 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 14, 21 एवं 28 मार्च, 2026 प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.00 बजे, दाहोद से 20.52 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.45 बजे, बयाना से 06.25 बजे, आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) से 07.35 बजे, टूण्डला से 08.10 बजे, कानपुर सेंट्रल से 11.42 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 13.20 बजे, सुल्तानपुर से 15.35 बजे तथा वाराणसी जं. से 19.05 बजे छूटकर मऊ 20.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 15, 22 एवं 29 मार्च, 2026 प्रत्येक रविवार को मऊ से 23.15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी जं. से 01.10 बजे, सुल्तानपुर से 03.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 05.35 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.10 बजे, टूण्डला से 10.45 बजे, आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) से 11.25 बजे, बयाना से 12.30 बजे, कोटा से 15.35 बजे, रतलाम से 19.50 बजे, दाहोद से 21.13 बजे तथा गोधरा से 23.10 बजे छूटकर तीसरे दिन वडोदरा 00.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

ठाकुरनगर से 18 मार्च,2026 को एक फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के उपरान्त यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये 05030/05029 काठगोदाम-ठाकुरनगर-काठगोदाम वाया गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचलन काठगोदाम से 15 मार्च,2026 को तथा ठाकुरनगर से 18 मार्च,2026 को एक फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर विशेष गाड़ी 15 मार्च,2026 को काठगोदाम से 10.00 बजे प्रस्थान कर हल्द्वानी से 10.19 बजे, लालकुंआ से 10.55 बजे, किच्छा से 11.18 बजे, बरेली सिटी से 12.30 बजे, बरेली जं0 से 13.20 बजे, लखनऊ से 18.10 बजे, गोरखपुर से 23.15 बजे, दूसरे दिन छपरा से 02.10 बजे, बरौनी से 05.25 बजे, कटिहार से 08.50 बजे, कुमेदपुर से 09.40 बजे, एकलखी से 10.42 बजे, मालदा टाउन से 11.25 बजे, पाकुड़ से 12.45 बजे, रामपुर हॉट से 13.30 बजे, सैंथिया से 13.52 बजे, बोलपुर (शान्ति निकेतन) 14.28 बजे, बर्द्धमान से 15.42 बजे, बैण्डेल से 16.32 बजे तथा नैहाटी से 17.05 बजे छूटकर ठाकुरनगर 20.40 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05029 ठाकुरनगर-काठगोदाम विशेष गाड़ी 18 मार्च,2026 को ठाकुरनगर से 10.20 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 13.20 बजे, बैण्डेल से 13.44 बजे, बर्द्धमान से 14.36 बजे, बोलपुर (शान्ति निकेतन) से 15.27 बजे, सैंथिया से 16.00 बजे, रामपुर हॉट से 16.30 बजे, पाकुड़ से 17.21 बजे, मालदा टाउन से 19.15 बजे, एकलखी से 19.40 बजे, कुमेदपुर से 20.50 बजे, कटिहार से 22.25 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 01.25 बजे, छपरा से 05.25 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, लखनऊ से 15.15 बजे, बरेली जं0 से 20.10 बजे, बरेली सिटी से 20.22 बजे, किच्छा से 21.15 बजे, लालकुंआ से 21.55 बजे तथा हल्द्वानी से 22.37 बजे छूटकर काठगोदाम से 23.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर./डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 10 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 10 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 22 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 281 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 89 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 35 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 331 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 121 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 257 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 41 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 40 बर्थ उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च को केरल और तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे

गोरखपुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च 2026 को केरल और तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 1:30 बजे केरल के एनार्कुलम में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलानयास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। इसके बाद, शाम लगभग 5:45 बजे, प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलानयास करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। एनार्कुलम में प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (बीपीसीएल) की कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इस पॉलीप्रोपाइलीन इकाई की क्षमता 400 किलो टन प्रति वर्ष है। पॉलीप्रोपाइलीन पैकेजिंग, ऑटोमोटिव घटकों, चिकित्सा उपकरणों, वस्त्रों और घरेलू उत्पादों में उपयोग होने वाली एक आवश्यक सामग्री है। यह सुविधा भारत की घरेलू पॉलिमर विनिर्माण क्षमता को मजबूत करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करेगी। प्रधानमंत्री सड़क अवसंरचना क्षेत्र में दो प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। पहली परियोजना एनएच-66 के थलापाडी-चेंगला खंड का छह लेन का निर्माण है, जिसे 2,650 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह खंड मुंबई-कन्याकुमारी आर्थिक गलियारे का हिस्सा है और कासरगोड तथा कन्नूर जिलों तथा मंगलौर और मुझापिलंगड सहित पड़ोसी क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा। यह परियोजना कासरगोड, बेकल, पय्यानूर और कन्नूर जैसे प्रमुख शहरों से संपर्क में सुधार करेगी, अझिक्कल बंदरगाह से संपर्क बढ़ाएगी और पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देगी। दूसरी परियोजना वेंगलम से रामनट्टुकरा तक कोझिकोड बाईपास का छह लेन का निर्माण है, जिसे लगभग 2,140 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत मौजूदा दो लेन की सड़क को दोनों ओर सर्विस रोड के साथ छह लेन के राजमार्ग में अपग्रेड किया गया है। इससे यातायात जाम में काफी कमी आएगी, यातायात क्षमता में सुधार होगा और सड़क सुरक्षा बढ़ेगी। इस मार्ग पर यात्रा का समय एक घंटे से घटकर लगभग 15-20 मिनट होने की संभावना है। यह परियोजना कोझिकोड बीच, बेपोर पोर्ट और कप्पड बीच जैसे महत्वपूर्ण स्थलों से कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगी, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री केरल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत निर्मित 23 ग्रामीण सड़कों का भी उद्घाटन करेंगे। ये सड़कें ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी और बाजारों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसरों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने में सहायता करेंगी, जिससे ग्रामीण आजीविका मजबूत होगी। प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत तीन पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों - शोरानूर जंक्शन, कुट्टीपुरम और चांगनास्सेरी का उद्घाटन करेंगे। इन स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है और इनमें यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं और सुगम आवागमन की व्यवस्था की गई है। पुनर्निर्माण में स्थानीय स्थापत्य कला को शामिल करते हुए यात्रियों के लिए आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा स्थल बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री शोरानूर-नीलाम्बुर रोड रेलवे लाइन की विद्युतीकरण परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इस महत्वपूर्ण रेल खंड के विद्युतीकरण से शोरानूर में लोकोमोटिव बदलने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे रेल संचालन तेज, अधिक कुशल और टिकाऊ हो सकेगा। प्रधानमंत्री पलाक्काड़ और पोलाची के बीच एक नई रेल सेवा को भी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जिससे केरल और तमिलनाडु के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। इस सेवा से दोनों राज्यों के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों को लाभ होगा।

दुल्हन के एक हाथ में छह उंगली देख भड़क गया दूल्हा, फेरे लेने से किया इंकार

मऊ। मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र में उस समय अफरातफरी मच गई जब मंडप में दूल्हे ने शादी से

इंकार कर दिया। उसका आरोप था कि दुल्हन के एक हाथ में छह उंगलियां हैं। काफी मान-मन्नौवल के बाद शादी के लिए तैयार हुआ। मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के एक गांव में हैरान करने वाला मामला सामने आया। यहां सोमवार की रात गाजीपुर जिले के कासिमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव से आई बरात का धूमधाम से स्वागत हुआ। लेकिन कुछ देर बाद दूल्हे ने दुल्हन के एक हाथ में छह उंगली देखकर शादी करने से इंकार कर दिया। इसे लेकर रात भर पंचायत चली। इसके बाद मंगलवार की सुबह शादी के लिए सहमति बनी और विधि-विधान से रस्में पूरी की गईं। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। क्या है पूरा मामला जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम गांव में बड़े धूमधाम से दूल्हा बरात लेकर पहुंचा। जहां घरातियों ने बड़े उत्साह के साथ बरातियों का स्वागत सत्कार किया। बरातियों ने जल पान किया फिर खाना खाने लगे। इसके बाद जब शादी का समय आया तो दूल्हे ने शादी से इंकार कर दिया। दूल्हे का आरोप था कि लड़की छांगूर है। वहीं घरातियों का कहना था कि लड़की छांगूर थी, जिसका ऑपरेशन छह माह पूर्व ही करा दिया गया है। इसकी जानकारी भी दूल्हे के परिजनों को दे दिया गया था। लेकिन दूल्हा शादी से बार- बार इंकार कर रहा था। गांव के संभ्रांत लोगों ने भी बहुत प्रयास किया पर दूल्हा शादी करने के लिए तैयार नहीं हो रहा था। पूरी रात पंचायत चलती रही, लेकिन दूल्हे ने शादी करने से मना करता रहा। घराती भी शादी करने के लिए दूल्हे पर दबाव बनाते रहे। घरातियों ने दूल्हे व कुछ रिश्तेदारों को बंधक बनाकर रखा। मंगलवार की सुबह लकड़ी के गांव का प्रधान और लड़के के गांव का प्रधान और संभ्रांत लोगों को बुलाया गया। जिसके बाद स्टांप पेपर पर सुलहनामा लिख कर शादी संपन्न कराई गई। इसके बाद दूल्हन विदा होकर अपने पति के साथ ससुराल गई।

महिला यात्री के सम्बन्धी के उपस्थित होने पर बैग उसे सुपुर्द किया गया

गोरखपुर, 6: रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.), पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरन्तर प्रयास किया जाता है।

इसी क्रम में, 08 मार्च,2026 को गाड़ी संख्या-11109 के लखनऊ जं0 आगमन पर यात्रियों द्वारा एक लावारिस वृद्ध व्यक्ति को हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल,लखनऊ को सुपुर्द किया गया। परिजनों के आने पर वृद्ध व्यक्ति को उन्हें सुपुर्द किया गया। 07 मार्च,2026 को बलिया स्टेशन पर प्रस्थान करती हुई गाड़ी संख्या-15155 में चढ़ने के प्रयास में गिरी एक महिला यात्री को रेलवे सुरक्षा बल द्वारा तत्परता से गाड़ी के नीचे जाने से बचाया गया। 06 मार्च,2026 को रेलवे सुरक्षा बल,सीवान ने प्लेटफार्म पर एक यात्री के अचानक बेहोश होने पर अस्पताल ले जाकर उपचार कराने के उपरान्त परिजनों को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल,बलिया को स्टेशन पर मानसिक रूप से बीमार एक युवती मिली,जिसे उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 05 मार्च,2026 को रेलवे सुरक्षा बल, गोण्डा को प्लेटफार्म संख्या-1 पर एक मूकबधिर व्यक्ति लावारिस हालत में मिला, जिसे उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। 09 मार्च,2026 को रेलवे सुरक्षा बल,बलिया को प्लेटफार्म संख्या-2 पर 09 वर्ष का एक बालक लावारित हालत में मिला, जिसे चाइल्ड लाइन बलिया को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल,गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-9 पर 15 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला, जिसे चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 07 मार्च,2026 को रेलवे सुरक्षा बल,थावे को गाड़ी संख्या-15113 में यात्री का छूटा 02 बैग मिला, जिसे थावे पोस्ट पर रखा गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर दोनों बैग सुपुर्द किया गया। 06 मार्च,2026 को गाड़ी संख्या-15047 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे देवरिया सदर पोस्ट पर रखा गया, यात्री के उपस्थित होने पर बैग सुपुर्द किया गया। 05 मार्च,2026 को 12557 में यात्री का छूटा एक ट्राली बैग मिला, जिसे यात्री के भाई के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 06 मार्च,2026 को गाड़ी संख्या-01079 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोण्डा पोस्ट पर रखा गया।

संक्षिप्त खबरें

20 लीटर अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

बस्ती। परशुरामपुर पुलिस ने 20 लीटर अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक किलो यूरिया, पांच सौ ग्राम नौशादर भी मिला। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। थानेदार विश्व मोहन राय ने बताया कि थाना क्षेत्र ग्राम आचरवाल निवासी मिथलेश सोनकार की गिरफ्तारी की गई है।

ऑटो में टक्कर मारने वाले अज्ञात ट्रेलर चालक पर प्राथमिकी

बस्ती। कोतवाली क्षेत्र के हरदिया चौराहे पर रविवार की शाम बेकाबू ट्रेलर के ऑटो में टक्कर मारने के मामले में अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र के बनतला गांव निवासी प्रवीन कुमार शुक्ल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके चाचा बृजेश शुक्ल और चाची प्रीति शुक्ल ऑटो से बस्ती जा रहे थे। हरदिया चौराहे के पास बेकाबू ट्रेलर संख्या यूपी 53 डीटी- 7717 ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी चाची की मौत हो गई, जबकि चचा बृजेश गंभीर रूप से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात ट्रेलर चालक के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

गांजा बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। सोनहा पुलिस ने 968 ग्राम गांजा के साथ सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक बाइक भी मिली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिए गए। सोनहा के थानेदार महेश सिंह ने बताया कि सोमवार को संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान ग्राम अहिरौला के रामलौट चौधरी के सागौन के बाग के पास से अशोक कुमार शर्मा निवासी ग्राम धौरहरा थाना शिवनगर डिडई जनपद सिद्धार्थनगर को 28 पुड़िया गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ व आरोपी के निशानदेही पर ग्राम कड़सरा स्थित बाग थाना शिवनगर डिडई जनपद सिद्धार्थनगर से आम महुआ की बाग से गांजा बेचते हुए दूसरे आरोपी मोहम्मद टुन्ना को गिरफ्तार किया गया।

हाईवे पर वाहन की टक्कर से फिसिंग कैट की मौत

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। हरैर्या वन क्षेत्र में रविवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से फिसिंग कैट की मौत हो गई। पहले लोगो ने इसे तेंदुए को समझा, बाद में फिलिंग कैट की पुष्टी हुई। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरैर्या के रजौली गांव के पास हुआ। सोमवार सुबह जब लोगों की नजर सड़क किनारे पड़े इस दुर्लभ जीव पर पड़ी तो दंग रह गए। पहले लोग तेंदुए की आशंका जताई। बाद में वन विभाग ने फिसिंग कैट होने की पुष्टि की। एनएचएआई व वन विभाग के कर्मियों की मौजूदगी में मौके पर पहुंची और मृत वन्यजीव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। वन विभाग के जिम्मेदारों ने बताया कि फिसिंग कैट एक दुर्लभ और खास प्रजाति की जंगली बिल्ली है, जो मुख्य रूप से आर्द्रभूमि और नदियों के किनारे पाई जाती हैं।

गायब 82 मोबाइल स्वामियों को सौंपे

बस्ती। नामी कंपनियों के गुमशुदा 82 मोबाइल फोन को बरामद कर पुलिस ने सोमवार को उनके स्वामियों को सौंप दिया। इन मोबाइलों की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस लाइंस सभागार में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए एएसपी श्यामकांत ने बताया कि सर्विलांस सेल की प्रयास से गुमशुदा 82 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इसके पहले सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से पुलिस 698 मोबाइल फोन बरामद कर चुकी है। पुलिस लाइंस सभागार में मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपा गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए निकाली गई जागरूकता रैली

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जनपद न्यायाधीश, शमसुल हक की ओर से जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की प्री-ट्रायल बैठक सोमवार को आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद न्यायाधीश ने प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई। जनपद न्यायाधीश ने कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक वादों का सुलह समझौता के आधार पर निस्तारण किया जाए। नोडल अधिकारी जेबा मजीद ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को जनपद न्यायालय, कलक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जाएगा।

महिलाओं के सम्मान से नहीं किया जाएगा समझौता

बस्ती। राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह ने सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में जनसुनवाई की। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने अपनी समस्याएं और शिकायतें बताईं। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद तथा अन्य सामाजिक समस्याओं से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना आयोग की प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायतों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान आठ मामले आए। इस दौरान सीओ हरैर्या स्वर्णिमा सिंह, एसएचओ महिला थानाध्यक्ष शालिनी सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह, जिला समन्वयक सचिन कसौधन, एडीओ समाज कल्याण एसएन चौधरी, सीडीपीओ बलराम सिंह आदि मौजूद रहे।

एनएसएस शिविरार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

बभनान। आचार्य नरेंद्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवायोजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन सोमवार को ग्राम जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान एनएसएस के गोद लिए गांव करनपुर, महरा गौरा, बभनी खास तथा बभनान में ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों को समसामयिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मौसम ने सरस्वती वंदना तथा आकांक्षा तिवारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कोमल ओझा, खुशी पाठक, दीप्ति, लक्ष्मी, संध्या गुप्ता, अस्मिता, सलोनी तथा रेनू ने भजन, लोकगीत, काव्य पाठ आदि प्रस्तुत किए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार शुक्ला ने सात दिनों के कार्यक्रम की जानकारी दी।

लिवलॉन्ग ने लखनऊ में नई शाखा खोलकर अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

लखनऊ (संवाददाता)। भारत की अग्रणी बीमा और एकीकृत हेल्थ-टेक प्लेटफॉर्म, लिवलॉन्ग ने लखनऊ में अपनी नई शाखा शुरू करने की घोषणा की है। यह विस्तार सुलभ और हाइपरलोकल स्वास्थ्य सेवा और बीमा समाधान प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस नई शाखा के साथ, लिवलॉन्ग का लक्ष्य प्रमुख शहरी क्षेत्रों में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति बढ़ाना है, ताकि ग्राहकों को उनके करीब ही स्वास्थ्य सेवाएं और बीमा विकल्प मिल सकें। लखनऊ शाखा रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस, कॉर्पोरेट व्व्क प्रोग्राम और डम-केंद्रित बीमा समाधानों में विकास के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगी। लखनऊ के व्यस्त आवासीय क्षेत्रों में से एक में स्थित यह शाखा व्यक्तियों, कॉर्पोरेट घरानों और छोटे व्यवसायों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेगी। इस दौरान गौरव दुबे (संस्थापक और सीईओ, लिवलॉन्ग) ने कहा कि लखनऊ हमारी राष्ट्रीय विस्तार यात्रा का एक प्रमुख बाजार है। इस नई शाखा के साथ, हम अपनी हाइपरलोकल उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं और एकीकृत स्वास्थ्य बीमा और वेलनेस समाधानों को क्षेत्र के लोगों और व्यवसायों के लिए अधिक सुलभ बना रहे हैं।

छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर, काव्य पाठ के साथ हुआ सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : शहर भर में हुए कार्यक्रम

■ ग्वालियर

शहर में महिला दिवस के उपलक्ष्य में दूसरे दिन भी विभिन्न संस्थाओं और संगठनों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए, काव्यपाठ हुए और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

महिलाओं को बताए अधिकार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्री श्रेष्ठ सोशियो लीगल रिसर्च एंड कंसल्टेंसी फेडरेशन द्वारा राइट ऑफ वीमेन इन वेरियस वेलफेयर स्कीम्स इन मध्य प्रदेश विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अंकित शांडिल्य, जिला विधिक सहायता अधिकारी ने कहा कि महिलाओं को पब्लिक प्रॉपर्टी समझने की मानसिकता समाज से समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा महिलाओं के कल्याण एवं संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य हर वर्ग और समाज की महिलाओं को सहायता प्रदान करना है। नैंसी गोयल, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी ने स्पेशल प्रोविजन फॉर वूमेन इन क्रिमिनल ट्रायल विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी, जांच और विचारण की विभिन्न अवस्थाओं में महिलाओं के लिए विशेष संरक्षणकारी प्रावधान किए गए हैं। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ. पूजा गुप्ता, डायरेक्टर, श्री श्रेष्ठ सोशियो लीगल रिसर्च एंड कंसल्टेंसी फेडरेशन द्वारा किया गया।

हर रूप और रंग में प्यारी हैं बेटियां

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरस्वती संघ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियत्री सुश्री कुंदा जोगलेकर एवं कादंबरी आर्य ने कविताएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुंदा जोगलेकर ने सागर सी गहराई जिस दिन नापी मैंने, उस दिन जाना मैंने, मैं कितना उथला-उथला हूं तुम प्रलयंकर ,अभयंकर तुम, शरण मुझे दो मैं नन्हा से एक दीपक हूं कविता सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। कादंबरी आर्य ने बेटे की चाह में कितनों को कातिल बना गई, वहशी समाज कोख में मरती हैं बेटियां, हर रूप और रंग में प्यारी हैं बेटियां, नायाब आंख सीप का मोती हैं बेटियां काव्य पाठ से समां बांध दिया। इस अवसर पर कुदा जोगलेकर एवं कादंबरी आर्य को साहित्य के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य एवं संस्था के हित में सहयोग करने के लिए संस्था की ओर से अध्यक्ष प्रतिभा भागव एवं उपाध्यक्ष अरुणा गंगाजलीवाले ने श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष अवसर पर फिजियोथेरपी एंड रीहेबिलेटेशन सेंटर शिंदे की छावनी के डॉ. शशांक आपटे, डॉ. दीक्षा आपटे, डॉ. डिंकी अरोरा, सुशील राठौर, रवि कुशवाह ने सयुंक्त रूप से नारी शक्ति को एकजुट करने तथा समाज कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए संस्था के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को सर्टिफिकेट तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त सचिव आशा बैजल ने व्यक्त किया।

जीविवि में आत्मनिर्भरता का दिया संदेश

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जीवाजी विश्वविद्यालय में छात्राओं के सशक्तिकरण और आत्मरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली कराटे कोच हनी गुर्जर रहीं। मुख्य अतिथि ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक गुर सिखाए और बताया कि

वर्तमान समय में महिलाओं के लिए आत्मरक्षा का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक सुरक्षा का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करती है।

उन्होंने छात्राओं को नियमित अभ्यास, मानसिक दृढ़ता और अनुशासन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा, प्रो.जेएन गौतम, डॉ. साधना श्रीवास्तव, प्रो. निमिषा जादौन आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सुरक्षा के प्रति सजगता विकसित करना था। अंत में प्रतिभागियों ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारतीय मजदूर संघ ने किया महिलाओं का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय मजदूर संघ जिला ग्वालियर द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर नदी गेट पर महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सह मंत्री रजनी शर्मा एवं संचालन विमलेश शर्मा ने किया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्य कल्पना सिकरवार सहित 50 मातृशक्ति को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह भदौरिया विभाग प्रमुख भारतीय मजदूर संघ, जिला अध्यक्ष विष्णु शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय राठौड़, जिला कोषाध्यक्ष सतीश राठौर आदि मौजूद थे।

विवेकपूर्ण निवेश सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य की नींव

ओजस्विनी विचार मंच ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए निवेश योजना एवं धन संपत्ति प्रबंधन विषय पर एक निजी होटल में

सेमिनार आयोजित किया। बचत करना नारी का एक विशेष गुण है। कोरोना जैसे भीषण संकट काल में छोटी छोटी बचतों ने कई परिवारों को सहारा दिया। बचत और निवेश का सही संयोजन कैसा हो इस विषय पर निवेश सलाहकार विपुल सिंह चौहान, शाखा प्रमुख एनजे ग्रुप एवं सीए निधि अग्रवाल, ग्वालियर सीआईआरसी ऑफ आईसीआईआई की प्रथम चेयरपर्सन ने धन निवेश की कई योजनाओं को बताया, जहां आपका पैसा सुरक्षित भी हो और मुनाफा भी हो। कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ. अलका प्रधान, अतिथि परिचय निर्मला शुक्ला और गीत नीलम शुक्ला ने प्रस्तुत किया।

पं. केशवराव राजहंस व पं. राजन मिश्र स्मृति संगीत और अलंकरण समारोह आज

■ ग्वालियर

गुरु-शिष्य परंपरा संस्थान द्वारा ग्वालियर घराने के मूर्धन्य संगीत साधक पं. केशवराव राजहंस (कंपूवाले) एवं विश्वविख्यात संगीत मनीषी पद्मभूषण पं. राजन मिश्र की स्मृति में संगीत एवं अलंकरण उत्सव का आयोजन 10 मार्च को सायं 6:30 बजे टाउन हॉल में किया जाएगा। इस अवसर पर शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रस्तुति के साथ वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक अशोक आनंद ने बताया कि ग्वालियर के वरिष्ठ संगीत साधक पं. उमेश कंपूवाले के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में विश्वविख्यात तबला वादक एवं संगीताचार्य पं. किरण देशपांडे को अलंकृत किया जाएगा। साथ ही वरिष्ठ कलागुरु सम्मान वरिष्ठ सितार वादक पं. श्रीराम उमडेकर को प्रदान किया जाएगा। उत्सव का शुभारंभ संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा गुरु वंदना से होगा। इसके बाद अहमदाबाद से पधारी संगीत विदुषी सुश्री विराज अमर शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगी। उनके साथ तबले पर गांधार राजहंस तथा हारमोनियम पर विवेक जैन संगत करेंगे। कार्यक्रम का समापन पुणे से आए प्रख्यात तबला वादक पं. सुप्रीत देशपांडे के एकल तबला वादन से होगा, उनके साथ हारमोनियम पर अमय बिचू संगत देंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविख्यात संगीत साधक पद्मभूषण पं. साजन मिश्र उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वदेश के समूह संपादक अतुल तारे करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्रबुद्धे तथा गंगा दास की बड़ी शाला के पीठाधीश्वर रामसेवक दास महाराज उपस्थित रहेंगे।

जेंटलमेंस क्लब ने मनाया होली मिलन

ग्वालियर। रंगपंचमी के उपलक्ष्य में जेंटलमेंस क्लब द्वारा परिवार सहित होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मथुरा से राधा कृष्ण मंडल द्वारा राधा कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। तत्पश्चात क्लब मेंबर्स ने फाग गाई। होली के गीतों पर सभी ने नृत्य किया। क्लब संयोजक राघवेंद्र सिंह जादौन ने बताया महिला दिवस के उपलक्ष्य में क्लब की समस्त मातृशक्ति का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नरेन्द्र सेठ, डॉ. सपन पटेल, अनिल मिश्रा आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज

ग्वालियर। कैलाशवासी माधवराव सिंधिया की जयंती के अवसर पर नागरिक मंच एवं भाजपा नेता दिनेश शर्मा एवं मित्र मंडल के द्वारा मंगलवार 10 मार्च को शाम 6 बजे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन सिंधिया चौराहा शताब्दीपुरम दीनदयाल नगर पर किया जा रहा है। कवि सम्मेलन में कविवर राम लखन शर्मा अंकित के संचालन में रविंद्र रंजन वरिष्ठ गीतकार शिकोहाबाद, मुकेश चिराग वाह वाह क्या बात है के फेम, अवनीश कुमार लपेटे इटावा, ओज के सशक्त हस्ताक्षर गोपाल आजाद औरैया, श्रृंगार रस की विदुषी कवयित्री ऋतु चतुर्वेदी उरई, सुधीर निश्चल गीतकार मैनपुरी काव्यपाठ करेंगे।

घाटीगांव में लाड़ली बहना सम्मेलन 13 को, जिलाधीश ने समीक्षा कर दिए निर्देश

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में लापरवाही पर कटेगा वेतन

■ ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 13 मार्च को घाटीगांव में प्रस्तावित लाड़ली बहना सम्मेलन एवं विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में की गई। जिलाधीश रुचिका चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर बैठने, छाया और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिलाधीश ने कहा कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लाड़ली बहनाओं के आने की संभावना है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। साथ ही जिन विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन होना है, उनकी सूची भी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसी तरह सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान जिलाधीश ने कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि पुरानी शिकायतों के निराकरण में उदासीनता बरतने वाले तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को नोटिस जारी कर उनके 5-5 दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की जाए। साथ ही अपर जिला दंडाधिकारी सीबी प्रसाद को अगले चार सोमवार भितरवार में बैठक लेकर शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में समर्थन समीक्षा की गई।

समय पर कार्यालय पहुंचे शासकीय सेवक

अपर कलेक्टर कुमार सत्यम और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कार्यालयों में बायोमैट्रिक उपस्थिति और सार्थक एप के उपयोग पर भी जोर दिया गया। बैठक में 20 से 27 मार्च तक दस्तकारी हाट बाजार में लगने वाले पुस्तक मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

गेहूं उपार्जन केंद्रों पर किसानों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

बैठक में रबी उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधीश ने निर्देश दिए कि सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए छाया, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था की जाए। बताया गया कि जिले में 23 मार्च से 22 मई तक समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी होगी। मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियां, निर्माणाधीन सांदीपनि स्कूल भवन, जनगणना की तैयारी, संकल्प से समाधान अभियान और सहकारी बैंकों की वसूली की भी समीक्षा की गई।

शहर को स्वच्छ, सुंदर व विकसित बनाने में सभी का सहयोग जरूरी: तोमर

■ ग्वालियर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए सरकार के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने सोमवार को सीएसआर मद से नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराए गए संसाधनों के लोकार्पण कार्यक्रम में यह बात कही। एनटीपीसी की ओर से नगर निगम ग्वालियर को 50 लाख रुपए की लागत से पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली प्रदान की गई हैं। वहीं मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा बिरला नगर सिविल अस्पताल को 60 लाख रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इन उपकरणों में कंप्यूटर, प्रिंटर, लैपटॉप, एलईडी टीवी, स्प्लिट एसी, वाटर कूलर, आरओ सिस्टम, फूड ट्रॉली, लॉन्ड्री ट्रॉली, टेबल-कुर्सियां, अनाउंसमेंट सिस्टम, एयर क्वालिटी मॉनिटर और क्लीनिंग मशीन शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि शहर के विकास और स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सीएसआर के माध्यम से और भी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा जल्द ही डेढ़ करोड़ रुपए की राशि भी नगर निगम को दी जाएगी, जिससे डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन के लिए वाहन खरीदे जाएंगे। इस अवसर पर पार्षद मीरा मानसिंह राजपूत, देवेंद्र राठौर, अशोक शर्मा, शैलेन्द्र सिकरवार सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर 21 महिलाओं का सम्मान

■ ग्वालियर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय की महिला विंग (आरईआरएफ) द्वारा माधौगंज स्थित प्रभु उपहार भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वन्दे मातरम्-स्वर्णिम भारत थीम के अंतर्गत राजयोग, संस्कार और सतयुगी मूल्यों से राष्ट्र निर्माण विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 21 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वयंसिद्धा महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष डॉ. महिमा तारे, डॉ. स्वाति जोशी, डॉ. अनुराधा शर्मा, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल की प्रिंसिपल निधि कुलकर्णी, समग्र अधिकारी पूर्वी अग्रवाल, समाजसेविका पूर्णिमा अग्रवाल, आशा सिंह, ब्रह्माकुमारीज संस्थान से महिमा बहन, डॉ. गुरचरण सिंह एवं प्रहलाद भाई मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डॉ. महिमा तारे ने कहा कि जब महिलाएं आत्मविश्वास, संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ती हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः आने लगता है। डॉ. स्वाति जोशी, निधि कुलकर्णी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रहलाद भाई ने किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाली प्रमुख मातृशक्ति में नेत्र आरोग्य एवं ऑक्यूलोप्लास्टी विशेषज्ञ डॉ. अनन्या अभ्यंकर जोशी, स्वयंसिद्धा महिला स्व-सहायता समूह से मेघा चांदोरकर, प्रीती खोत, आयुषी मोघे, मंजीरी मोघे, अल्पा अग्रवाल, अनुश्री मोघे, अन्य क्षेत्र से सुमन खेमरिया, माधवी गुप्ता, छाया, आरती आयलानी, सविता तिवारी, मिथलेश तिवारी, कंचन तलरेजा शामिल थीं। उधर माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एमआईटीएस) की गर्ल्स ग्रीवेंस एंड जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल द्वारा नारी शक्ति, सशक्तिकरण एवं अवसर विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में छात्रों के लिए विभिन्न सहभागितापूर्ण और प्रेरणादायक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

जीवाजी विवि और बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

■ ग्वालियर

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को जीवाजी विश्वविद्यालय और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एसके जैन के हस्ताक्षर के बाद हुआ। इस समझौते का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक

सहयोग को मजबूत करना है। इसके तहत संयुक्त अनुसंधान, संकाय एवं छात्र विनिमय, पाठ्यक्रम विकास तथा सेमिनार और कार्यशालाओं के आयोजन जैसे कार्य किए जाएंगे।

यह एमओयू आगामी तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगा और इसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन में भी सहायता मिलेगी। इसके अलावा उच्च शिक्षा में समान अवसर और समावेशिता को बढ़ावा देने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आईसीटी आधारित डिजिटल एवं बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहन देने की दिशा में भी यह समझौता महत्वपूर्ण साबित होगा।

काली पट्टी बांधकर किया काम, आज अस्पताल परिसर में निकलेगा जस्टिस मार्च

स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को लेकर रेजिडेंट चिकित्सकों का आंदोलन शुरू

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के रेजिडेंट चिकित्सकों ने वर्ष 2025 से लंबित अपनी वार्षिक स्टाइपेंड वृद्धि को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) के नेतृत्व में सोमवार से चरणबद्ध विरोध की शुरुआत की गई। पहले दिन रेजिडेंट चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर अपनी ड्यूटी की और शासन के प्रति विरोध दर्ज कराया। साथ ही गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि लंबित वेतनवृद्धि को जल्द से जल्द लागू किया जाए। चिकित्सकों का कहना है कि लंबे समय से स्टाइपेंड वृद्धि लंबित रहने के कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. धुआराम गुर्जर ने बताया कि राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 5 अक्टूबर 2018 को जारी आदेश (क्रमांक एफ-2-67/2015/1-55) में इंटर्न, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी रेजिडेंट डॉक्टरों के स्टाइपेंड में प्रतिवर्ष वृद्धि का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद वर्ष 2025 की निर्धारित वेतनवृद्धि अभी तक लागू नहीं की गई है। डॉ. गुर्जर ने बताया कि वर्ष 2026 की पहली तिमाही भी समाप्त होने की ओर है, लेकिन अब तक वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है और ज्ञापन भी सौंपे गए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जबकि रेजिडेंट डॉक्टर अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। दिन-रात मरीजों की सेवा के साथ-साथ उन्हें पढ़ाई और प्रशिक्षण भी जारी रखना पड़ता है। ऐसे में स्टाइपेंड ही उनका मुख्य आर्थिक सहारा होता है, लेकिन निर्धारित समय पर वेतनवृद्धि लागू न होने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। एसोसिएशन ने बताया कि आंदोलन की अगली कड़ी में 10 मार्च को अस्पताल परिसर के भीतर जस्टिस मार्च निकाला जाएगा। डॉ. गुर्जर ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इसके बाद भी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो डॉक्टर स्वैच्छिक सेवाओं का बहिष्कार करने को मजबूर होंगे। हालांकि मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन सेवाएं पूर्व की तरह जारी रखी जाएंगी, ताकि गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सम्पादकीय

नीतीश की विदाई या जदयू का सफाया

नाटक के पहले अंक में, बिहार के मुख्य मंत्री पद पर बने रहते हुए, नीतीश कुमार ने राज्यसभा की सदस्यता के लिए चुनाव के लिए अपना पर्चा भरा। यह पर्चा भरे जाने के संबंध में दो बातें खासतौर पर गौर करने वाली थीं। पहली, यह पर्चा नीतीश कुमार की अपनी पार्टी, जदयू के मंझले दर्जे के नेताओं और कार्यकताओं के मुखर तथा काफी व्यापक विरोध के बावजूद भरा गया। इस विरोध की शुरूआत, राज्यसभा के रास्ते से नीतीश कुमार की बिहार से विदाई की खबरें आने के साथ ही हो गयी थी। वास्तव में इस मुखर विरोध को शांत करने के लिए और बिहार से अपनी विदाई के लिए, बिहार में गठजोड़ सरकार में अपनी सहयोगी, भाजपा को अपने समर्थकों का निशाना बनने से बचाने के लिए, नीतीश कुमार ने यह अजीबो-गरीब बयान भी दिया था कि उनकी ही इच्छा थी कि राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी देश की सेवा करें। वैसे बिहार में सरकार और पार्टी को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। जाहिर है कि उनके इस बयान का कम से कम जदयू कार्यकताओं की निराशा पर कोई असर नहीं पड़ा। हां! भाजपा को जरूर आलोचनाओं से अपने को बचाने के लिए कुछ सहारा मिल गया। नीतीश कुमार के राज्यसभा का पर्चा भरने के संबंध में दूसरी खास बात थी, इस मौके पर देश के गृहमंत्री और भाजपा में मोदी के बाद नंबर दो माने जाने वाले, अमित शाह का नीतीश कुमार की बगल में खड़े रहना। इस मौके पर अमित शाह की उपस्थिति एक प्रकार से इसकी याद दिलाने के लिए भी थी कि बिहार की सत्ता में आम तौर पर तथा जदयू में खासतौर पर यह संक्रमण, उनके ही चाणक्य नीति लक्ष्यों के पूरे होने का इशारा कर रहा था। जाहिर है कि खुद अपने हाथों से फैसलों को लागू कराने में विश्वास करने वाले और नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े विश्वासपात्र, अमित शाह इस मौके पर खुद उपस्थित रहकर यह तो खैर सुनिश्चित कर ही रहे थे कि भाजपा के मनमाफिक कार्ययोजना बिना किसी दिक्कत के अमल में लाई जाए और उसे जमीन पर उतारने में आखिरी वक्त पर कोई अड़चन नहीं आने पाए। इसी नाटक के दूसरे अंक में, जाहिर है कि पूर्व-योजना के अनुसार, पटना में जदयू कार्यालय में बड़ी धूम-धाम के साथ नीतीश कुमार के पुत्र, निशांत कुमार की राजनीतिक पारी की शुरूआत का ऐलान किया गया। नीतीश कुमार के बाद, जदयू के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाने वाले, पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, संजय झा और केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी। हालांकि, औपचारिक तौर पर यह मौका निशांत कुमार के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का था, लेकिन इसमें न तो निशांत कुमार को कोई शक था और न उन्हें पार्टी का सदस्य बनाने वालों को कि, वास्तव में यह उनके पार्टी का नेतृत्व संभालने का मौका था। इस मौके पर अपने संबोधन में निशांत कुमार ने जिस तरह, नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में ही काम करने का आश्वासन देने के बाद, पार्टी कार्यकताओं की राय के अनुसार, पार्टी को मजबूत करने का भरोसा दिलाया, वह पार्टी का नेतृत्व संभालने के मौके के अनुरूप था। और जनता के दिल में घर बनाने की कोशिश करने का उनका आश्वासन तो, यह साफ ही कर देता था कि वह इस आयोजन को पार्टी की गद्दी ही सौंपे जाने के मौके की तरह देख रहे थे। याद दिला दें कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के, जाहिर है कि भाजपा अनुमोदित पैकेज के हिस्से के तौर पर, निशांत कुमार को बिहार सरकार में महत्वपूर्ण और जदयू की ओर से संभवतरू सबसे महत्वपूर्ण पद सौंपे जाने की चर्चा, पहले ही चल रही थी। इन अनुमानों में आम तौर पर जानकारों की यह राय रही है कि उन्हें उप-मुख्यमंत्री पद सौंपा जा सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री पद भाजपा को दिलवाया जाना तो इस पूरी कसरत का असली मकसद ही है। प्रसंगवश इसका जिक्र भी कर दें कि निशांत कुमार के श्राज्यारोहणश के समय तक, जदयू कार्यकताओं का असंतोष शांत नहीं हुआ था। इस मौके पर भी जदयू कार्यालय में, पार्टी कार्यकताओं के एक हिस्से और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के समर्थकों में, बाकायदा मार-पीट हुई। याद रहे कि जदयू कार्यकताओं का अच्छा-खासा हिस्सा इस सारे बदलाव को, नीतीश कुमार और जदयू के खिलाफ एक साजिश के रूप में देखता है, जिसे पर्दे के पीछे से केंद्र सरकार तथा भाजपा संचालित कर रही है। केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह की जदयू और नीतीश कुमार के प्रति वफादारी पर संदेह जताए जाते रहे हैं। यह भी याद दिला दें कि बिहार में यह सत्ता संक्रमण किसी भी तरह से अप्रत्याशित नहीं है। वास्तव में, पिछले साल राज्य में विधानसभा चुनाव के मौके पर तो लगातार ही विपक्ष की ओर से यह सवाल उठाया जाता रहा था कि क्या भाजपा, चुनाव के बाद गठबंधन के कामयाब होने की सूरत में, अगले पांच साल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का नेतृत्व स्वीकार करेगी? विपक्ष ही नहीं, अनेक टिप्पणीकारों के भी इस आशय के सवालों के बावजूद, भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान काफी वक्त तक इस सवाल का स्पष्ट उत्तर देने से बचती ही रही थी। इसके बजाय भाजपा, नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़े जाने पर जोर देती रही थी।

भगवान और भक्त के बीच खड़ी अव्यवस्था की दीवारें

द्वारिकाधीश मंदिर का इतिहास केवल एक धार्मिक स्थल का इतिहास नहीं है। यह संघर्ष, आस्था और पुनरुत्थान की कहानी भी है। एक प्रश्न आज भी मन में उठता है, जिस मंदिर ने विदेशी आक्रांताओं के सामने हार नहीं मानी, क्या वह आज अपनी ही व्यवस्था के सामने असहाय हो गया है? भारत के पश्चिमी तट पर, अरब सागर की लहरों से टकराता द्वारिकाधीश मंदिर केवल पत्थरों और नक्काशी की भव्यता का प्रतीक नहीं है। यह उस सनातन चेतना का केंद्र है, जिसने हजारों वर्षों से भारतीय आस्था को दिशा दी है। आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार धामों में से एक, द्वारका को मोक्ष का द्वार कहा जाता है। लेकिन, जब कोई श्रद्धालु आज इस मंदिर की दहलीज पर खड़ा होता है तो उसके मन में एक असहज प्रश्न जन्म लेता है, क्या यह वही द्वारका है, जहां धर्म और न्याय के प्रतीक भगवान श्रीकृष्ण की लीला भूमि है? एक ओर भगवान श्रीकृष्ण का वह विराट स्वरूप है, जिसने महाभारत के रण में धर्म की स्थापना का संदेश दिया। दूसरी ओर, मंदिर की चारदीवारी के भीतर फैली प्रशासनिक शिथिलता, पुजारियों का कथित एकाधिकार और आम श्रद्धालुओं की उपेक्षा दिखाई देती है। भगवान तक पहुंचने के 'मार्ग में कठिनाई' हाल में होली के अवसर पर द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन करने का अवसर मिला। भगवान के दर्शन की उत्कंठा के साथ वहां पहुंचा हर भक्त यही सोचता है कि वह उस भूमि पर खड़ा है, जहां कभी भगवान श्रीकृष्ण ने राज्य किया था, लेकिन भगवान और भक्त के बीच खड़ी अव्यवस्था की दीवारें देखकर मन भारी हो जाता है। क्या सचमुच भगवान तक पहुंचने का मार्ग इतना कठिन होना चाहिए? द्वारिकाधीश मंदिर का इतिहास केवल एक धार्मिक स्थल का इतिहास नहीं है। यह संघर्ष, आस्था और पुनरुत्थान की कहानी भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने हरि गृह यानी भगवान के निजी निवास के ऊपर पहला मंदिर बनवाया था। पुरातात्विक दृष्टि से भी यह भूमि अत्यंत प्राचीन है। यहां ईसा पूर्व के अवशेष मिलते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि यह स्थान सदियों से श्रद्धा का केंद्र रहा है। मध्यकाल में महमूद बेगड़ा जैसे आक्रांताओं ने मंदिर के भौतिक स्वरूप को नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वे यहां की जन-आस्था को नहीं डिगा सके। आज जो भव्य मंदिर दिखाई देता है, वह 15वीं और 16वीं शताब्दी में चालुक्य शैली में निर्मित हुआ। पांच मंजिला संरचना और 72 स्तंभों पर खड़ा यह मंदिर भारत की स्थापत्य परंपरा और आस्था की दृढ़ता का प्रतीक है। लेकिन, एक प्रश्न आज भी मन में उठता है, जिस मंदिर ने विदेशी आक्रांताओं के सामने हार नहीं मानी, क्या वह आज अपनी ही व्यवस्था के सामने असहाय हो गया है? मंदिर का प्रबंधन द्वारिकाधीश देवस्थान समिति के हाथों में है, जिसके पदेन अध्यक्ष देवभूमि द्वारका के जिला कलेक्टर होते हैं। कागजों पर यह व्यवस्था आदर्श दिखाई देती है, जहां प्रशासन और धार्मिक परंपराओं के बीच संतुलन होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में तस्वीर कुछ और ही है। प्रशासन और मंदिर के सेवादारों यानी पंडा-पुजारियों के बीच एक प्रकार का अदृश्य सत्ता संघर्ष दिखाई देता है। सरकारी निदेर्शों का सही से पालन नहीं सरकारी निर्देश अक्सर मंदिर के मुख्य द्वार पर आकर दम तोड़ देते हैं। जिला प्रशासन समय-समय पर स्वच्छता, सुरक्षा और समान दर्शन के निर्देश जारी करता है, लेकिन इन निदेर्शों का पालन कराना आसान नहीं होता। जब प्रशासन व्यवस्था सुधारने की कोशिश करता है तो इसे धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप बताकर विरोध खड़ा कर दिया जाता है। आम श्रद्धालु। वह श्रद्धालु, जो घंटों लाइन में खड़ा रहता है। वह श्रद्धालु, जो केवल अपने भगवान की एक झलक पाने के लिए हजारों किलोमीटर का सफर तय करता है। दरअसल, द्वारका में गुग्गुली ब्राह्मणों और पुजारियों की एक लंबी परंपरा रही है। सदियों तक उन्होंने मंदिर की सेवा की है और आस्था की लौ को जीवित रखा है, लेकिन क्या आज वही परंपरा सवालों के घेरे में नहीं आ गई है? मंदिर परिसर में कई ऐसे गुप्त मार्ग या गैलरियां हैं, जिनके जरिए प्रभावशाली लोगों को भीड़ से बचाकर सीधे गर्भगृह तक ले जाया जाता है, जबकि आम भक्त धूप में तपते हुए घंटों कतार में खड़े रहते हैं। क्या भगवान के सामने भी वीआईपी और सामान्य भक्त का अंतर होना चाहिए? भगवान के पट खुलने और बंद होने का समय शास्त्रों में निर्धारित है, लेकिन अक्सर प्रभावशाली लोगों के लिए नियमों को ताक पर रखकर असमय दर्शन कराए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। क्या यह मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा के अनुरूप है? द्वारका आने वाला हर भक्त केवल दर्शन करने नहीं आता। वह अपने साथ विश्वास, आस्था और उम्मीद लेकर आता है। लेकिन उसे क्या मिलता है? त्योहारों के समय भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि कई बार भगदड़ जैसी स्थिति बन जाती है। कतारों में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती। बैठने की व्यवस्था भी नहीं। वृद्ध और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं अक्सर केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। गोमती घाट से लेकर मंदिर के आसपास की गलियों तक गंदगी की स्थिति कई बार श्रद्धालुओं को निराश कर देती है। मोबाइल फोन और कैमरों पर प्रतिबंध के नाम पर भक्तों की सघन तलाशी ली जाती है, जो सुरक्षा के लिहाज से आवश्यक भी है, लेकिन वही नियम उन लोगों पर लागू नहीं होते, जो पुजारियों के साथ विशेष प्रवेश प्राप्त कर लेते हैं। क्या यह दोहरा मापदंड नहीं है? मंदिर के बाहर मोबाइल जमा करने का एक अनौपचारिक बाजार खड़ा हो चुका है, जहां दुकानदार प्रति मोबाइल पांच रुपए वसूलते हैं। गर्भगृह के करीब तक प्रसाद बेचने वाले दुकानदारों की भीड़ रहती है। पंडा-पुजारी भक्तों से पैसे लेते हैं। कई बार सेवादारों का व्यवहार भी भक्तों के साथ कठोर हो जाता है। क्या यही वह अनुभव है, जिसके लिए श्रद्धालु हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं? हालांकि, समाधान असंभव नहीं है।

> ***भगवान तक पहुंचने के 'मार्ग में कठिनाई' हाल में होली के अवसर पर द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शन करने का अवसर मिला। भगवान के दर्शन की उत्कंठा के साथ वहां पहुंचा हर भक्त यही सोचता है कि वह उस भूमि पर खड़ा है, जहां कभी भगवान श्रीकृष्ण ने राज्य किया था, लेकिन भगवान और भक्त के बीच खड़ी अव्यवस्था की दीवारें देखकर मन भारी हो जाता है। क्या सचमुच भगवान तक पहुंचने का मार्ग इतना कठिन होना चाहिए? द्वारिकाधीश मंदिर का इतिहास केवल एक धार्मिक स्थल का इतिहास नहीं है। यह संघर्ष, आस्था और पुनरुत्थान की कहानी भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने हरि गृह यानी भगवान के निजी निवास के ऊपर पहला मंदिर बनवाया था। पुरातात्विक दृष्टि से भी यह भूमि अत्यंत प्राचीन है। यहां ईसा पूर्व के अवशेष मिलते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि यह स्थान सदियों से श्रद्धा का केंद्र रहा है। मध्यकाल में महमूद बेगड़ा जैसे आक्रांताओं ने मंदिर के भौतिक स्वरूप को नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वे यहां की जन-आस्था को नहीं डिगा सके। आज जो भव्य मंदिर दिखाई देता है, वह 15वीं और 16वीं शताब्दी में चालुक्य शैली में निर्मित हुआ। पांच मंजिला संरचना और 72 स्तंभों पर खड़ा यह मंदिर भारत की स्थापत्य परंपरा और आस्था की दृढ़ता का प्रतीक है। लेकिन, एक प्रश्न आज भी मन में उठता है, जिस मंदिर ने विदेशी आक्रांताओं के सामने हार नहीं मानी, क्या वह आज अपनी ही व्यवस्था के सामने असहाय हो गया है? मंदिर का प्रबंधन द्वारिकाधीश देवस्थान समिति के हाथों में है, जिसके पदेन अध्यक्ष देवभूमि द्वारका के जिला कलेक्टर होते हैं। कागजों पर यह व्यवस्था आदर्श दिखाई देती है, जहां प्रशासन और धार्मिक परंपराओं के बीच संतुलन होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में तस्वीर कुछ और ही है। प्रशासन और मंदिर के सेवादारों यानी पंडा-पुजारियों के बीच एक प्रकार का अदृश्य सत्ता संघर्ष दिखाई देता है। सरकारी निदेर्शों का सही से पालन नहीं सरकारी निर्देश अक्सर मंदिर के मुख्य द्वार पर आकर दम तोड़ देते हैं। जिला प्रशासन समय-समय पर स्वच्छता, सुरक्षा और समान दर्शन के निर्देश जारी करता है, लेकिन इन निदेर्शों का पालन कराना आसान नहीं होता। जब प्रशासन व्यवस्था सुधारने की कोशिश करता है तो इसे धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप बताकर विरोध खड़ा कर दिया जाता है। आम श्रद्धालु। वह श्रद्धालु, जो घंटों लाइन में खड़ा रहता है। वह श्रद्धालु, जो केवल अपने भगवान की एक झलक पाने के लिए हजारों किलोमीटर का सफर तय करता है। दरअसल, द्वारका में गुग्गुली ब्राह्मणों और पुजारियों की एक लंबी परंपरा रही है। सदियों तक उन्होंने मंदिर की सेवा की है और आस्था की लौ को जीवित रखा है, लेकिन क्या आज वही परंपरा सवालों के घेरे में नहीं आ गई है? मंदिर परिसर में कई ऐसे गुप्त मार्ग या गैलरियां हैं, जिनके जरिए प्रभावशाली लोगों को भीड़ से बचाकर सीधे गर्भगृह तक ले जाया जाता है।***

ईरान को मिला नया लीडर, कितनी बदलेगी तस्वीर

रवि शंकर

अमरीका और इसराईल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान के तहत तेहरान को निशाना बनाए जाने के बाद मध्य-पूर्व में स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। इस सैन्य कार्रवाई में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की सियासत में एक ऐसा मोड़ आ गया है, जिसने पूरी दुनिया की सांसें थाम दी हैं। अली खामेनेई के निधन के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता घोषित किया गया है। इस फैसले के बाद अमरीका और इसराईल की प्रतिक्रिया तेज हो गई है और मध्य-पूर्व में तनाव बढने की आशंका जताई जा रही है। मोजतबा खामेनेई ऐसे समय में सत्ता संभाल रहे हैं, जब ईरान गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। अमरीका और इसराईल ने चेतावनी दी है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट करने तक नहीं रुकेंगे। पूरी दुनिया की नजरें अब तेहरान की अगली रणनीतिक चाल पर टिकी हैं। अब मोजतबा खामेनेई को यह तय करना है कि वह खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए महायुद्ध का रास्ता चुनेंगे या फिर देश को विनाश से बचाने के लिए कूटनीति का सहारा लेंगे। अयातुल्ला अली खामेनेई, वह शख्सियत, जो दशकों तक ईरान की तकदीर का आखिरी फैसला लेते रहे, अब इस दुनिया में नहीं हैं। करीब 4 दशक तक अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान के सिस्टम का चेहरा रहे। उन्होंने देश की अंदरूनी और बाहरी राजनीति पर अपना लगभग पूरा कंट्रोल रखा। उनकी मौजूदगी ही ईरान की सियासत की दिशा तय करती थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अमरीकी-इसराईली हमले में उनकी मौत के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल तेज है। सवाल सिर्फ नए चेहरे का नहीं, बल्कि उस राह का भी है, जिस पर ईरान आगे बढ़ेगा। यह ठीक है कि खामेनेई की मौत से ईरान की वर्तमान सरकार का तंत्र पूरी तरह ध्वस्त तो नहीं होगा लेकिन यह फिर कभी पहले जैसा भी नहीं हो पाएगा। खामेनेई ने अपनी जिंदगी में हमेशा पश्चिम और खास तौर से अमरीका को अविश्वास की निगाह से देखा। इसलिए, उनके बाद बदलाव आना तय है। इतना तो साफ है कि ईरान के खाड़ी देशों पर हमलों ने इन देशों की तेहरान के साथ सावधानीपूर्ण और संतुलित संबंध बनाए रखने की नीति को भारी हानि पहुंचाई है तथा खाड़ी देशों की इसराईल के साथ व्यापक सुरक्षा सांझेदारी की संभावनाओं के मार्ग को प्रशस्त किया है। यदि ईरान खाड़ी देशों में अपने हमलों को नहीं रोकता तो निरूसंदेह बाकी के खाड़ी देश भी इस तरह का कदम उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, यदि ईरान खाड़ी देशों में अपने अभियान को बढ़ाता है तो खाड़ी देशों के साथ एक व्यापक सैन्य संघर्ष की स्थिति भी बन सकती है। इसमें संदेह नहीं कि खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों ने तेहरान के पश्चिम एशियाई क्षेत्र में कूटनीतिक रूप से और अधिक अलग-थलग पडने की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। वहीं दूसरी तरफ, इन हालात में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसराईल-ईरान के बीच कूटनीतिक संतुलन बैठाना होगा। इसराईल हमारा बड़ा रक्षा भागीदार है, जबकि ईरान क्षेत्रीय संपर्क की दृष्टि से अहम है। खाड़ी और मध्य-पूर्व में करीब 90 लाख भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा पर अब सीधा असर पड़ेगा। भारत को मिलने वाली कुल विदेशी मुद्रा का लगभग 38 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी ऊर्जा जरूरत इसी क्षेत्र से आयात करता है। अगर सप्लाई रुकी तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका बड़ा असर पड़ेगा। साथ ही, चाबहार पोर्ट के अलावा होर्मुज समुद्री मार्ग बंद होने से भारत के व्यापार पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ेगा। भारत पहले से रूस से तेल खरीदने को लेकर अमरीकी दबाव में है। ऐसे में यह स्थिति भारत के लिए कूटनीतिक और आध्थक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। भारत के ईरान से ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। अब नए नेतृत्व के साथ तालमेल बैठाना भी एक बड़ी कूटनीतिक परीक्षा होगी। कुल मिलाकर, खामेनेई की मौत केवल ईरान की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया की राजनीति को बदल सकती है। आने वाले दिन निर्णायक साबित होंगे। अब सवाल यह है कि क्या ईरान में एक और क्रांति होगी या फिर सेना सत्ता अपने हाथ में ले लेगी? क्योंकि ईरान का सुप्रीम लीडर देश की राजनीति और सेना दोनों पर सबसे बड़ा नियंत्रण रखता है। इसलिए यह पद केवल धार्मिक या राजनीतिक नेतृत्व का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की दिशा तय करने वाला है। यही वजह है कि खामेनेई के बाद अब पूरी दुनिया की नजर तेहरान पर टिकी हुई है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि नया नेता कौन होगा, बल्कि यह भी है कि क्या ईरान की नीतियां बदलेंगी या फिर वही पुराना टकराव जारी रहेगा? खैर, ईरान की शासन व्यवस्था में क्या बदलाव आएगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन खामेनेई की मौत कई दूसरे देशों के लिए परेशानी की वजह जरूर बन सकती है।

ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश ने आपातकालीन कदम उठाए

आशीष विश्वास

बांग्लादेश में नई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के लिए, युद्ध इससे और बुरे समय पर नहीं आ सकता था। प्रधानमंत्री रहमान अपनी टीम के साथ अपने कार्यालय में मुश्किल से ही जम पाए हैं, और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और कानून का राज बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दोनों ही मामलों में, रहमान को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बांग्लादेश ने आने वाले दिनों में ईंधन की भारी कमी से बचने के लिए पेट्रोल राशनिंग का सहारा लिया है, क्योंकि अमेरिका और इजरायल के सेनाओं द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध का पहला हफ्ता पूरा हो गया है। नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने लोगों के लिए एक मिसाल कायम करते हुए अपने सरकारी घर में बिजली की खपत कम कर दी है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि बांग्लादेश उन एशियाई देशों में खास तौर पर शामिल है जो अपनी ज्यादातर ऊर्जा आपूर्ति मध्यपूर्व से आयात करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद, इस इलाके के तेल वाले देशों से पड़ोसी दक्षिण एशिया और उससे आगे की ज्यादातर आपूर्ति मार्ग बाधित हो गई थीं। ईरान ने रूस, चीन और उन देशों के लिए नई शिपिंग आवाजाही में थोड़ी राहत की घोषणा की जो अमेरिका और इजरायल ने मिलकर शुरू किए गए शिबना उकसावेश वाले युद्ध में शामिल नहीं थे, परन्तु तब तक लागू नहीं हुए थे। तेहरान के अधिकारियों ने संकेत दिया कि गैर-लड़ाकू देशों के जहाजों को पहले की तरह जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की इजाजत होगी। हालांकि, आम तौर पर अन्तरराष्ट्रीय शिपिंग को नुकसान हुआ था। भारत ने बताया कि उसके कम से कम 35 जहाज अलग-अलग जगहों पर फंसे हुए थे। दूसरे देशों के लिए भी हालात कुछ बेहतर नहीं थे। ईरानी रुकावट के असर से, इस इलाके में काम करने वाली बड़ी शिपिंग कंपनियों ने अपना काम रोक दिया क्योंकि वे हालात, युद्ध की स्थिति का अध्ययन कर रही थीं और भविष्य में कार्गो और यात्री आवाजाही मूवमेंट सुनिश्चित करने के लिए नए रास्तों या चौनलों का इस्तेमाल करने की संभावना पर चर्चा कर रही थीं। जैसे ही पूरे समुद्री यातायात की समयसारिणी गड़बड़ा गयी, कई इंश्योरेंस कंपनियों ने भविष्य के कार्गो आवाजाही को अंतिम रूप देने से पहले अपने शुल्क या प्रिमियम बढ़ाने की कोशिश की। हिंद महासागर में श्रीलंका के अन्तरराष्ट्रीय जल के पास एक ईरानी जहाज के डूबने की खबर, जिसमें लगभग 100 नाविकों की मौत हो गई, यह दिखाती है कि मामला कितनी जल्दी किसी के कंट्रोल से बाहर हो गया था। आगे की बातें शायद ही कोई अच्छी बात थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान सरकार से पूरे इलाके में शांति बहाल करने के लिए तुरंत और बिना किसी शर्त के आत्मसमर्पण करने को कहा, और तेहरान ने तुरंत चेतावनी में इसका उत्तर दिया। मीडिया में ऐसी खबरें थीं कि राष्ट्रपति ट्रंप खुद अमेरिका के अंदर गुस्से वाली प्रतिक्रिया का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, पश्चिम एशिया इलाके में कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के ड्रोन और मिसाइलों से हुए बड़े नुकसान की खबरें मिलीं। अमेरिका में मौजूद कुछ सैन्य विशेषज्ञों को ईरान की तुरंत हार की संभावना पर शक था। इसके उलट, उन्हें लगा कि इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार जवाबी हमला करके, ईरान ने अपने बचाव की चाल में अमेरिका को अपने संसाधन काफी कम करने पर मजबूर कर दिया है। बांग्लादेश में नई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के लिए, युद्ध इससे और बुरे समय पर नहीं आ सकता था। प्रधानमंत्री रहमान अपनी टीम के साथ अपने कार्यालय में मुश्किल से ही जम पाए हैं।

संसद के दूसरे चरण में सरकार की मुश्किल

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू हुआ और पहले दिन ही मोदी सरकार विपक्ष के सवालों से बुरी तरह घिर गई। इस बात का अनुमान पहले से था कि सत्र के पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी सरकार को कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा और यह अंदाज भी था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर खुद सामने न आकर अपने मंत्रियों को आगे करेंगे। ऐसा ही हुआ भी। सोमवार को संसद के दोनों सदनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में चल रहे युद्ध और इस वजह से मध्यपूर्व में आए अभूतपूर्व संकट पर बयान दिए। लेकिन इस बयान में एक चयनित रूझान दिखा। सरकार ने केवल उन्हीं मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसमें उसे सुविधा हो, और असुविधाजनक बातों को बड़ी चतुराई से किनारे कर दिया गया। जैसे हजारों बरसों से जिस ईरान के साथ भारत के संबंध रहे हैं, उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर संवेदना का एक लफ्ज सरकार ने सदन में नहीं कहा, हालांकि खामेनेई की मौत के छह दिन बाद जाकर विदेश सचिव ने ईरानी दूतावास में शोक संदेश लिखा। ईरान पर हमले की निंदा भारत सरकार ने नहीं की। हिंद महासागर में जिस ईरानी युद्धपोत पर हमला कर अमेरिका ने सौ से ज्यादा नौसैनिकों की जान ले ली, उस पर भी भारत सरकार ने ऐतराज नहीं जताया, जबकि ये नौसैनिक भारत के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास से लौट रहे थे। अमेरिका और इजरायल ने भारतीय मेहमानों की जान ली और मोदी सरकार इस पर भी चुप रही, इससे ज्यादा शर्मनाक बात नहीं हो सकती। कायदे से सरकार को ईरान युद्ध और उसके प्रभाव की पूरी तस्वीर संसद में पेश करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने आधी-अधूरी बात की और उस पर तुर्रा यह कि विपक्ष सवाल पूछे तो उसे गैरजिम्मेदाराना कहा जाए। बता दें कि विपक्ष ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में युद्ध और उसके समेकित प्रभाव से जुड़े सवाल सरकार से पूछने की मांग की, मगर इस मांग को लगातार नकारा गया, नतीजा यह हुआ कि राज्यसभा से विपक्ष ने बहिर्गमन किया। इसके लिए भी सरकार ने विपक्ष को ही दोषी ठहराया। इससे पहले जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी तो सत्ता पक्ष की तरफ से लगातार हल्ला किया गया। हालांकि फिर भी खड़गे जी ने मांग रखी कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर उभरती चुनौतियों पर अल्पकालिक चर्चा हो। उन्होंने कहा, श्यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैय इसने अब भारत की ऊर्जा सुरक्षा और देश की छवि को प्रभावित किया है। इस संघर्ष के परिणाम हमारी आर्थिक स्थिरता पर भी असर डालेंगे। उन्होंने खाना बनाने के गैस की कीमतों में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर प्रभाव का जिक्र किया। यही बातें लोकसभा में भी विपक्ष उठाना चाह रहा था लेकिन उसे अनुमति नहीं मिली। जबकि यह हकीकत है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला और उस पर ईरान के पलटवार का खामियाजा केवल खाड़ी देश ही नहीं भारत भी उठा रहा है। इस इलाके में कम से कम एक करोड़ भारतीय रहते हैं, जिसमें अभी 67 हजार ही वापस आए हैं। बेशक भारत सरकार ने इनके लिए एडवायजरी जारी की है और इन्हें सुरक्षित मार्ग से वापस लाने पर मंथन हो रहा है। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि उन्हें पहले से क्यों नहीं निकाला जा सका। क्यों हमारी खुफिया एजेंसियों को यह भनक नहीं लगी कि इजरायल और अमेरिका ऐसा कोई हमला बोलने जा रहे हैं। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि ईरान पर हमले से केवल दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी इजरायल में थे। ऐसे में खुफिया एजेंसियों को और सतर्क होकर काम करना चाहिए था। लेकिन पुलवामा और पहलगाम की तरह यह भी बड़ी खुफिया नाकामी है। भारत के लिए परेशानी की बात यह भी है कि ईरान युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर ईंधन का जो संकट खड़ा हुआ है, उससे सरकार कैसे निपटेगी, इसका जवाब भी नहीं दिया जा रहा है। सोमवार को ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें एक ही दिन में 25 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 115-118 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई हैं। इसे हाल के वर्षों में सबसे बड़ी दैनिक बढ़ोतरी में से एक माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि युद्ध लंबा चला तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच सकती हैं। इस बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी कमजोर होकर करीब 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक फिसल गया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में हर एक डॉलर की बढ़ोतरी से भारत का वार्षिक आयात बिल लगभग 1.5 से 2 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। अगर कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं तो इसका सीधा असर देश के व्यापार घाटे और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेज उछाल और वैश्विक अनिश्चितता का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखा गया। निवेशकों की चिंता के कारण बाजार में तेज बिकवाली हुई और प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

अपना दल (एस) की मासिक बैठक हुई,संगठन पर चर्चा

लखनऊ /बहराइच (संवाददाता)। अपना दल (एस) की मासिक बैठक मंगलवार को नानपारा विधानसभा कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में नानपारा विधायक और अपना दल (एस) विधानमंडल दल के नेता रमनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद पटेल ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना और जनसमस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा करना था। विधायक रमनिवास वर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से सुनने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। इस मासिक बैठक में कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें जिला उपाध्यक्ष हरिहर प्रसाद वर्मा और चमन लाल चौरसिया, जिला महासचिव सौरव वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष राधेश्याम पटेल, जिला सचिव निर्मल वर्मा और पेशकार पटेल शामिल थे। विभिन्न मंचों के अध्यक्षों में महिला मंच की सोनी वर्मा, चिकित्सा मंच के डॉ. कौशल वर्मा और अल्पसंख्यक मंच के रियाजुद्दीन अंसारी भी मौजूद थे। इसके अतिरिक्त, विधानसभा उपाध्यक्ष तुलसीराम वर्मा और किसान मंच के विधानसभा अध्यक्ष हीरालाल वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

शुगर-बीपी नहीं रहता कंट्रोल तो किडनी से भी धो बैठेंगे हाथ

लापरवाही कहीं पड़ न जाए भारी

किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। भले ही ये अंग काफी छोटा सा होता है, लेकिन शरीर के कामकाज में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किडनी रोजाना लगभग 130-140 लीटर खून को छानकर उसमें से जहरीले पदार्थ, अपशिष्ट जैसे यूरिया-क्रिएटिनिन और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालती है। किडनी की ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके अलावा इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) का संतुलन बनाए रखने, रक्त के स्त्रल स्तर को नियंत्रित करने जैसे इस छोटे से अंग के कई बड़े-बड़े काम हैं। हालांकि दुनियाभर में किडनी से संबंधित बीमारियों के मामले भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। कम उम्र के लोगों में भी इसका खतरा देखा जा रहा है। किडनी की समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे किडनी फेलियर तक का खतरा रहता है जिसे जानलेवा माना जाता है। किडनी की बीमारियों के लिए लाइफस्टाइल-खानपान में गड़बड़ी को प्रमुख माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि अगर आपका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है तो इससे भी किडनी खराब होने का जोखिम काफी बढ़ सकता है?

किडनी की बीमारियों का खतरा

दुनियाभर में बढ़ती किडनी की बीमारियों को लेकर लोगों को शिक्षित-जागरूक करने और किडनी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट करने के उद्देश्य से हर साल मार्च महीने के दूसरे गुरुवार (इस बार 12 मार्च) को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। किडनी की बीमारियों के लिए कई कारणों को जिम्मेदार पाया गया है।

खान-पान में गड़बड़ी, ज्यादा सोडियम वाली चीजें खाना।

धूम्रपान-शराब की आदत।

अधिक वजन-मोटापा।

बार-बार पेनकिलर का इस्तेमाल।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन जोखिम कारकों के अलावा जिन लोगों का शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा हुआ रहता है, उनमें धीरे-धीरे किडनी की दिक्कतें बढ़ने लग जाती हैं। दुनियाभर में क्रॉनिक किडनी डिजीज के प्रमुख कारणों में डायबिटीज और हाइपरटेंशन सबसे ऊपर हैं।

हाई शुगर के कारण किडनी की बीमारी

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें किडनी की बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है।

लंबे समय तक हाई शुगर की समस्या किडनी की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है।

इससे डायबिटिक नेफ्रोपैथी की समस्या हो सकती है।

लगातार हाई ग्लूकोज के कारण फिल्टरिंग सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे पेशाब में प्रोटीन आने लगता है, इससे क्रॉनिक किडनी डिजीज हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर कितना खतरनाक

हाई ब्लड शुगर की ही तरह से ब्लड प्रेशर भी रक्त वाहिकाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है।

ब्लड प्रेशर के कारण किडनी की नाजुक नसें धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लग जाती हैं।

जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में नमक और पानी जमा होने लगता है, जिससे बीपी और बढ़ा रहता है।

जिन लोगों को हाई बीपी और हाई शुगर दोनों समस्याएं हैं, उनमें किडनी की बीमारी और इसके खराब होने का खतरा और भी ज्यादा होता है।

किडनी को हेल्दी रखने के लिए क्या करें?

किडनी रोग विशेषज्ञ बताते हैं, बीपी और शुगर के मरीजों को किडनी की सेहत को लेकर खास सावधानी बरतते रहना चाहिए। इन दोनों को कंट्रोल में रखकर आप बड़ी समस्याओं से बच सकते हैं। इसके अलावा लाइफस्टाइल में सुधार करना भी जरूरी है।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करें। इससे ब्लड प्रेशर, वजन और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर से बचने के लिए एक चम्मच से कम नमक का सेवन करें।

किडनी को शरीर से गंदगी निकालने में मदद करने के लिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करें।

आहार में ताजे फल, सब्जियों और साबुत अनाज की मात्रा बढाएं।

प्रोसेस्ड, ज्यादा सोडियम वाले और मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन कम या बिल्कुल न करें।

वजन को कंट्रोल रखें। मोटापा की स्थिति डायबिटीज, हाइपरटेंशन और किडनी की बीमारियों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

धूम्रपान करने से किडनी में रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है, इसलिए धूम्रपान न करें।

ये 6 राशियां जन्म से ही होती हैं लकी, इनके जीवन में हमेशा रहता है सुख-संपत्ति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुल 12 राशियां होती हैं, जो किसी व्यक्ति के स्वभाव, व्यक्तित्व, जीवन की दिशा और भविष्य को प्रभावित करती हैं। माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति का जन्म होते ही उसके ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर भाग्य का निर्धारण भी हो जाता है। अनुभवी ज्योतिषी कुंडली देखकर बता सकते हैं कि ग्रह और नक्षत्र कैसे फल देंगे और किस क्षेत्र में सफलता मिलेगी। कुछ लोगों की कुंडली में ऐसे योग बनते हैं जिन्हें राजयोग या भाग्यशाली योग कहा जाता है। ऐसे लोग जन्म से ही भाग्यशाली माने जाते हैं और उनका जीवन अपेक्षाकृत सरल और सुखद होता है। आज हम उन राशियों के बारे में जानेंगे, जिन्हें ज्योतिष शास्त्र में विशेष रूप से भाग्यशाली माना गया है।

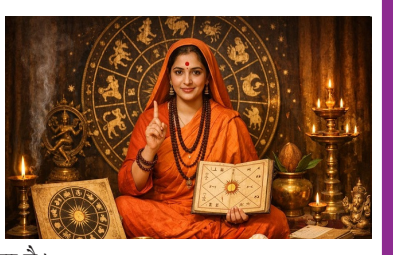

वृषभ राशिः (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

वैदिक ज्योतिष में वृषभ राशि का स्थान दूसरा है और इसका स्वामी शुक्र ग्रह है। शुक्र ग्रह को सुंदरता, धन-संपत्ति, प्रेम और ऐश्वर्य का प्रतीक माना गया है। वृषभ राशि के लोग जन्म से ही आर्थिक रूप से स्थिर और सुखी जीवन जीते हैं। इनके जीवन में अक्सर ऐसे मौके आते हैं जिनसे वे आसानी से धन कमा पाते हैं और उन्हें पैसों की कमी का सामना कम ही करना पड़ता है।

कर्क राशिः (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

कर्क राशि राशि चक्र में चौथे स्थान पर आती है और इसे बहुत भाग्यशाली माना जाता है। इस राशि के लोगों पर मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। इन्हें अक्सर वह सब आसानी से मिल जाता है, जिसकी वे चाह रखते हैं। कई बार ये बिना ज्यादा प्रयास के भी सफल हो जाते हैं और जीवन में आर्थिक और सामाजिक स्थिरता बनी रहती है।

सिंह राशिः (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

सिंह राशि के जातक जन्म से ही नेतृत्व क्षमता के धनी होते हैं। ये लोग शेर जैसी मानसिकता और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं। इन्हें धन कमाने और अपने क्षेत्र में सफल होने में किसी तरह की कठिनाई का सामना कम ही करना पड़ता है। इनका भाग्य अक्सर उनके साथ रहता है और ये जीवन में कई बार भाग्यशाली साबित होते हैं।

वृश्चिक राशिः (ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

वृश्चिक राशि मेहनती और तेज दिमाग वाले जातकों की मानी जाती है। ये लोग अपने कौशल और बुद्धिमानी से जीवन में सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं। इन्हें मान-सम्मान और प्रसिद्धि मिलती रहती है, और ये कई बार अपने क्षेत्र में मिसाल बन जाते हैं।

तुला राशिः (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

तुला राशि के लोग जन्म से ही राजयोग का लाभ उठाते हैं। इन्हें जीवन में चीजें आसानी से मिल जाती हैं और जो भी काम वे हाथ में लेते हैं, उसमें सफलता मिलती है। ये बुद्धिमान और मेहनती होते हैं और इनके जीवन में धन और सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहती।

कुंभ राशिः (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

कुंभ राशि के जातक भी जन्म से ही किस्मत के धनी माने जाते हैं। इन्हें राजयोग का साथ मिलता है और ये अपने प्रयासों में हमेशा सफल होते हैं। ये शांत, सकारात्मक और दूरदर्शी स्वभाव के होते हैं। इनके जीवन में सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं होती और उनका भाग्य हमेशा उनके साथ रहता है। ज्योतिष के अनुसार ये छह राशियां जन्म से ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। इन राशियों के लोग जीवन में आर्थिक स्थिरता, सामाजिक सम्मान और सुख-शांति का आनंद आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि मेहनत और सही दिशा में प्रयास करना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन ये राशियां अक्सर अपने भाग्य की वजह से भी कई मामलों में लाभान्वित होती हैं।

चार्जर पूरे टाइम प्लग में लगा रहता है? जान लें इसके नुकसान

आजकल मोबाइल हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। अक्सर हम बैटरी खत्म होने पर फोन चार्ज करते हैं और जैसे ही बैटरी फुल हो जाती है, मोबाइल को निकाल देते हैं, लेकिन चार्जर को प्लग में लगा छोड़ देते हैं। ये आदत आम लगती है, लेकिन इसके कई नुकसान हो सकते हैं। अगर हम थोड़ी सावधानी बरतें और चार्जर का इस्तेमाल करते समय प्लग को समय पर निकालें, तो कई दिक्कतों से बच सकते हैं। यहां इस लेख में हम आपको इस बारे में डिटेल में जानकारी देंगे कि चार्जर को प्लग में लगाए रखने पर आपको क्या-क्या नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

बिजली की बबार्दी

जब मोबाइल चार्जिंग पूरी हो जाए और चार्जर प्लग में लगा रहे, तब भी वह हल्की मात्रा में बिजली खींचता रहता है। इसे स्टैंडबाय पावर खपत कहते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से घर में बिजली की बबार्दी होती है, और अनावश्यक ऊर्जा खर्च होती रहती है।

बिजली बिल में वृद्धि

चार्जर लगातार प्लग में रहने से हर महीने के बिजली बिल में अतिरिक्त खर्च जुड़ सकता है। घर के एक या दो चार्जर्स से ज्यादा बचे हुए पैसे बड़े बिजली बिल के रूप में दिखाई दे सकते हैं। औसतन 50-100 रुपये का अतिरिक्त खर्च सिर्फ चार्जर की वजह से हो सकता है।

चार्जर और सॉकेट का नुकसान

चार्जर और सॉकेट लंबे समय तक बिजली में रहने से गर्म हो सकते हैं। इससे चार्जर के अंदर के इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स खराब हो सकते हैं और सॉकेट की उम्र भी कम हो जाती है। सॉकेट की लगातार गर्मी से प्लास्टिक और तारों पर असर पड़ सकता है।

आग लगने का खतरा

पुराने या सस्ते चार्जर्स को लगातार प्लग में लगाकर रखना खतरनाक हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स अधिक गर्म हो जाते हैं और शॉर्ट सर्किट होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके चलते घर में आग लगने का खतरा भी होता है।

रेस्तरां स्टाइल बिरयानी बनाने की आसान रेसिपी, ज्यादा सामग्री की भी जरूरत नहीं

अगर आप घर पर रेस्टोरेंट जैसा स्वाद पाना चाहते हैं, तो बिरयानी एक शानदार विकल्प है। बिरयानी भारत की सबसे लोकप्रिय डिश में से एक मानी जाती है और खास मौकों पर इसे बनाया और सर्व किया जाता है।अक्सर लोगों को लगता है कि बिरयानी बनाना बहुत मुश्किल होता है या इसमें बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत पड़ती है। लेकिन सही तरीके और कुछ आसान ट्रिक्स की मदद से आप कम सामग्री में भी स्वादिष्ट रेस्टोरेंट स्टाइल बिरयानी बना सकते हैं। आइए जानते हैं रेस्तरां स्टाइल बिरयानी की आसान रेसिपी, वो भी कम सामग्री में।

बिरयानी बनाने के लिए जरूरी सामग्री

2 कप बासमती चावल

अपनी पसंद की सब्जियां, प्याज, टमाटर

1 कप दही

1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट

1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर

1/2 चम्मच हल्दी

1 चम्मच गरम मसाला

2-3 हरी मिर्च

साबुत मसाले (तेजपत्ता, लौंग, दालचीनी, इलायची)

नमक स्वादानुसार

2-3 चम्मच तेल या घी

हरा धनिया और पुदीना

रेस्टोरेंट स्टाइल बिरयानी बनाने की विधि

चावल तैयार करें

सबसे पहले बासमती चावल को अच्छी तरह धोकर लगभग 20झ30 मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद पानी में तेजपत्ता, नमक और साबुत मसाले डालकर चावल को 70% तक उबाल लें।

मसाला तैयार करें अब एक कड़ाही में तेल या घी गर्म करें और उसमें पतले कटे प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट, टमाटर और हरी मिर्च डालें। इसे अच्छी तरह पकाएं।

सब्जियां मिलाएं

अब इसमें चिकन या सब्जियां डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। फिर इसमें दही, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और नमक डालकर मसाले को अच्छी तरह भून लें।

लेयर बनाएं

अब एक बर्तन में सबसे पहले मसाले की लेयर डालें। उसके ऊपर उबले हुए चावल की लेयर डालें और ऊपर से हरा धनिया और पुदीना छिड़क दें।

दम पर पकाएं

बर्तन को ढककर 10झ15 मिनट तक धीमी आंच पर दम दें। इससे चावल और मसालों की खुशबू अच्छी तरह मिल जाती है और बिरयानी का स्वाद शानदार बनता है।

हमेशा बासमती चावल का इस्तेमाल करें।

बिरयानी को दम पर जरूर पकाएं।

ऊपर से थोड़ा घी या केसर दूध डालने से स्वाद और खुशबू बढ़ जाती है।

प्याज को अच्छी तरह फ्राई करना बिरयानी का स्वाद बेहतर बनाता है।

बिरयानी के साथ क्या परोसें?

बिरयानी का स्वाद और भी बेहतर बनाने के लिए आप इसके साथ बूंदी रायता, पुदीना चटनी, सलाद या नींबू परोस सकते हैं।

चाय-कॉफी से जल गई है जीभ तो करें ये तुरंत उपाय

गर्म चाय, कॉफी या सूप जल्दी-जल्दी पीने से कई बार जीभ जल जाती है। इससे जीभ में जलन, दर्द और सूजन महसूस होती है और खाना-पीना भी मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर यह छोटी समस्या होती है, लेकिन सही समय पर देखभाल न करने पर परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए जानना जरूरी है कि जीभ जल जाए तो तुरंत क्या करना चाहिए और कौन-से घरेलू उपाय राहत दे सकते हैं।

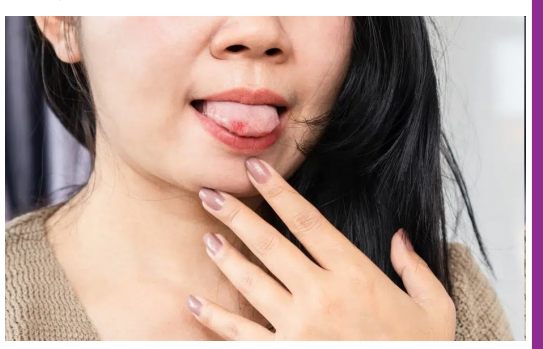

जीभ जलने पर तुरंत क्या करें?

ठंडा पानी या ठंडा दूध पिएं: जीभ जलते ही ठंडा पानी या दूध धीरे-धीरे पिएं। इससे जलन कम होती है और जीभ ठंडी पड़ती है।

बर्फ का छोटा टुकड़ा चूसें: बर्फ को धीरे-धीरे चूसने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

शहद लगाएं: शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। थोड़ा सा शहद जीभ पर लगाने से आराम मिल सकता है।

दही या ठंडी चीजें खाएं: दही, ठंडा दूध या आइसक्रीम जैसी चीजें जीभ की जलन को शांत करने में मदद करती हैं।

नमक के पानी से कुल्ला करें: हल्के गुनगुने नमक पानी से कुल्ला करने से संक्रमण का खतरा कम होता है।

जीभ जल गई है तो क्या नहीं करना चाहिए?

बहुत गर्म खाना या पेय पदार्थ

जब जीभ जल जाती है तो उसकी ऊपरी परत काफी संवेदनशील हो जाती है। ऐसे में अगर आप फिर से बहुत गर्म चाय, कॉफी, सूप या खाना खाते हैं, तो जली हुई जगह पर और ज्यादा जलन और दर्द हो सकता है। इससे घाव भरने में भी ज्यादा समय लगता है।

मसालेदार और खट्टा भोजन

लाल मिर्च, ज्यादा मसाले, अचार, नींबू या बहुत खट्टे खाद्य पदार्थ जली हुई जीभ को और ज्यादा चुभन दे सकते हैं। ये चीजें जले हुए हिस्से को और ज्यादा संवेदनशील बना देती हैं, जिससे जलन और सूजन बढ़ सकती है। सिगरेट या तंबाकू का सेवन धूम्रपान या तंबाकू का सेवन जली हुई जीभ के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है।

गलत तकिए पर सोने से बढ़ जाता है इन गंभीर बीमारियों का जोखिम, डॉक्टर ने दिया जरूरी सुझाव

ज्यादातर लोगों को ये तो मालूम होगा कि गलत तकिए के चयन की वजह से गर्दन में दर्द हो सकता है। मगर बहुत कम लोगों को यकीन होगा कि जिस तकिया पर वो सिर रखकर आराम से सोते हैं वो उनके लिए कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और बीपी जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने कई जरूरी चीजें बताई हैं, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। डॉ. शालिनी के अनुसार गलत तकिए के इस्तेमाल से सर्वाइकल स्पाइन में मिसअलाइंमेंट हो जाता है, जिससे गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव और नसों पर दबाव बढ़ता है। इसका सीधा असर गर्दन की तरफ होने वाले ब्लड सकुर्लेशन पर पड़ता है, जिससे आपकी गहरी नींद बाधित होती है। उन्होंने बताया कि गहरी नींद के दौरान ही शरीर खुद को रिपेयर करता है। ऐसे में अगर नींद पूरी नहीं होती है, तो शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस और सूजन बढ़ जाती है, जो डायबिटीज और हाई बीपी जैसी बीमारियों को जन्म देती है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि कैसे सही तकिया चुना जा सकता है?

बीमारियों और नींद का वैज्ञानिक संबंध

डॉ. शालिनी के मुताबिक, जब तकिया सही नहीं होता, तो शरीर को वह आराम नहीं मिलता जिसकी उसे मरम्मत के लिए जरूरत होती है।

अधूरी नींद शरीर में तनाव पैदा करती है, जिससे मेटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है और कोलेस्ट्रॉल का लेवल अनियंत्रित होने लगता है।

मांसपेशियों का तनाव और नसों का दबना रात भर शरीर को 'फाइट या फ्लाइट' मोड में रखता है, जिससे बीपी अनियंत्रित रहता है।

कैसे चुनें सही तकिया?

अलाइनमेंटः डॉक्टर शालिनी के मुताबिक तकिए की ऊंचाई ऐसी होनी चाहिए कि गर्दन और रीढ़ की हड्डी(स्पाइन) बिल्कुल सीधी रेखा में रहे।

मटेरियलः हमेशा फोम पिलो का चुनाव करें, क्योंकि यह न तो बहुत सख्त होता है और न ही बहुत ज्यादा सॉफ्ट, जिससे सही सपोर्ट मिलता है।

कवरः बेहतर कंफर्ट के लिए हमेशा कॉटन तकिए के साथ कॉटन कवर का ही इस्तेमाल करें, जो त्वचा के लिए भी सुरक्षित है।

स्लीपिंग पोजीशन और तकिया का संबंध

तकिए का साइज अपनी पोजीशन के हिसाब से चुनें, अगर आप सीधा (पीठ के बल) सोते हैं, तो पतला तकिया लें।

अगर आप करवट लेकर सोते हैं, तो थोड़ा मोटा तकिया इस्तेमाल करें ताकि कंधे और गर्दन का गैप भर सके।

डॉक्टर की सलाह है कि हाइजीन और सपोर्ट बनाए रखने के लिए हर 2-3 साल में अपना तकिया बदल दें या उसे रिफिल कराएं।

गहरी नींद ही है लंबी उम्र की चाबी

डॉ. शालिनी सिंह सोलंकी के मुताबिक अच्छी सेहत के लिए केवल जिम और डाइट ही काफी नहीं, बल्कि सही तकिए पर ली गई सुकून की नींद भी उतनी ही जरूरी है। अगर आप भी सुबह उठकर थकान या दर्द महसूस करते हैं, तो तुरंत अपना तकिया बदलें। ध्यान रखें एक छोटा सा बदलाव आपको डायबिटीज और बीपी जैसी गंभीर रोगों के जिखिम को कम कर सकता है।

बाथरूम में घुसकर महिला से अभद्रता, 4 के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ /आगरा (संवाददाता)। थाना सिकंदरा क्षेत्र में महिला से बाथरूम में अभद्रता, मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला अपनी मां की परिचित के यहां गई थी, इसी दौरान उसके साथ बदसलूकी हुई। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिकंदरा क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को बताया-वह 4 जनवरी को अपनी मां की एक परिचित महिला से मिलने राधिका विहार स्थित फ्लैट पर गई थी। बातचीत के दौरान वह बाथरूम यूज करने गई। इसी दौरान घर में मौजूद लोग जबरन बाथरूम में घुस आए और उसके साथ अभद्रता की।

पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों का होगा सम्मान

मुंबई। बीसीसीआई 15 मार्च को नई दिल्ली में नमन वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित करेगा, जिसमें पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता पुरुष टीम, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम, सीनियर महिला टीम और अंडर-19 लड़के-लड़कियों की टीमें शामिल होंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह नमन का आयोजन करने जा रहा है। इस खास कार्यक्रम में पिछले लगभग एक साल के दौरान आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में भारतीय क्रिकेट की हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही 2024-25 सीजन में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मान दिया जाएगा। बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में पिछले एक साल में आईसीसी

खिताब जीतने वाली पांच अलग-अलग भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम भी शामिल है। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर-19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम और 2025 अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम शामिल हैं। टीम के साथ कोचिंग स्टाफ को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा। देवजीत सैकिया ने बताया, 'बीसीसीआई अवॉर्ड्स समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में होगा। हम हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम सहित सभी आईसीसी टूर्नामेंट विजेता टीमों और उनके कोचों को आमंत्रित करने जा रहे हैं। सीनियर पुरुष टीम के अलावा सीनियर महिला टीम, अंडर-19 लड़कों और अंडर-19 लड़कियों की टीम, जिन्होंने 2025 में ट्रॉफी जीती थी, उन्हें भी बुलाया जाएगा।' चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम भी होगी सम्मानित सैकिया ने यह भी बताया कि 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों को भी इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को भी आमंत्रित करेंगे। पिछले लगभग एक साल में भारतीय टीमों ने कुल पांच आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और उन सभी टीमों के सदस्यों को इस अवॉर्ड नाइट में सम्मानित किया जाएगा। यह एक शानदार शाम होगी।' दिल्ली के पांच सितारा होटल में होगा आयोजन सूत्रों के मुताबिक यह समारोह नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित किया जाएगा, जो एयरपोर्ट के पास स्थित होगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भारतीय पुरुष टीम के कई खिलाड़ियों को कार्यक्रम के बाद सीधे अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ना है। आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और उससे पहले सभी टीमों के प्री-सीजन कैंप शुरू हो जाएंगे। टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम को मिला 131 करोड़ का इनाम इससे पहले बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि का एलान किया था। यह राशि 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को दी गई 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि से छह करोड़ रुपये ज्यादा है। देवजीत सैकिया ने कहा, '2026 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के इनाम की राशि का पूरा बंटवारा जल्द बताया जाएगा। लेकिन 131 करोड़ रुपये की कुल राशि किसी भी विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई द्वारा दी गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है। इसमें खिलाड़ियों के अलावा सपोर्ट स्टाफ और चयनकताओं को भी हिस्सा मिलेगा।' भारतीय क्रिकेट के लिए जश्न का मौका पिछले एक साल में अलग-अलग स्तरों पर भारतीय टीमों की शानदार सफलता ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। ऐसे में बीसीसीआई का नमन अवॉर्ड समारोह सिर्फ खिलाड़ियों को सम्मानित करने का मंच ही नहीं होगा, बल्कि भारतीय क्रिकेट की उपलब्धियों का जश्न मनाने का भी खास मौका बनेगा।

रनों का यह महारथी अब सिखाएगा बल्लेबाजी का गुर

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। 15 हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले हेडन अब टीम के बल्लेबाजों को मार्गदर्शन देंगे। वह कोचिंग स्टाफ में मैथ्यू वेड की जगह लेंगे। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने अपनी टीम मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। अपने दौर के सबसे खतरनाक ओपनरों में गिने जाने वाले हेडन अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों को आधुनिक टी20 बल्लेबाजी की बारीकियां सिखाते नजर आएंगे। शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अनुभव मैथ्यू हेडन ऑस्ट्रेलिया के उन बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने अपने समय में गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बनाया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 273 मैच खेले और 15 हजार से ज्यादा रन बनाए। हेडन दो बार वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे और कई आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में अहम भूमिका निभाई। टीम की बल्लेबाजी पहचान मजबूत करने की उम्मीद गुजरात टाइटंस के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट विक्रम सोलंकी ने इस नियुक्ति को टीम के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, 'मैथ्यू की नियुक्ति हमारे सफर के एक महत्वपूर्ण चरण में हुई है। उच्च स्तर का उनका अनुभव और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आने वाले सीजन में हमारी बल्लेबाजी पहचान को मजबूत करने में मदद करेगी।' हेडन ने बताया टीम का लक्ष्य नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मैथ्यू हेडन ने भी टीम के विजन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'अच्छी बल्लेबाजी विरोधी टीम पर दबाव बनाती है, लेकिन महान बल्लेबाजी मैच पर पूरी तरह कब्जा कर लेती है। यही मानक हम गुजरात टाइटंस के लिए तय करना चाहते हैं।' मैथ्यू हेडन आईपीएल में भी खेल चुके हैं। उन्होंने 32 आईपीएल मैचों में हिस्सा लिया और अपने आक्रामक अंदाज से कई यादगार पारियां खेलीं।

टी20 विश्वकप जीतने पर सूर्यकुमार की टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये का इनाम

मुंबई। टी20 विश्वकप जीतने के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। इस राशि में खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को हिस्सा मिलेगा। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी20 विश्वकप 2026 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के लिए बड़ी इनामी राशि का एलान किया है। बोर्ड ने मंगलवार को घोषणा की कि पूरे भारतीय दल को 131 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह इनाम खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ और टीम के अन्य सपोर्ट स्टाफ को भी दिया जाएगा। खिलाड़ियों और स्टाफ को मिलेगा हिस्सा न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस राशि में 15 खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और अन्य सपोर्ट स्टाफ को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि इनाम की रकम में सबसे बड़ा हिस्सा खिलाड़ियों को मिलेगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ को मिलने वाली राशि उनकी जिम्मेदारी और पद के अनुसार तय की जाएगी। 2024 के मुकाबले बढ़ा इनाम इस बार घोषित 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद दिए गए 125 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यानी इस बार बोर्ड ने पिछले पुरस्कार की तुलना में छह करोड़ रुपये अधिक देने का फैसला किया है। बीसीसीआई सचिव ने दी बधाई बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को बधाई देते हुए कहा, 'बोर्ड खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं देता है।' न्यूजीलैंड को हराकर जीता खिताब भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ न सिर्फ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया, बल्कि टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई।

मेरे बेटे को लोगों ने परेशान किया, उम्मीद है कि अब ऐसा नहीं होगा

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन के पिता ने खुलासा किया कि पहले उनके बेटे को लोगों की आलोचना और तानों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस वजह से परिवार को भी मुश्किलें झेलनी पड़ीं। अब उम्मीद है कि संजू के शानदार प्रदर्शन के बाद लोग उन्हें परेशान नहीं करेंगे। संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अंतिम तीन मुकाबलों में शानदार पारियां खेलकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। पिता सैमसन विश्वनाथ ने बेटे के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए बताया कि करियर के शुरूआती दौर में संजू को डिस्टर्ब किया गया था। सैमसन के पिता क्या बोले? संजू सैमसन के पिता ने कहा,

'मैं अपने बेटे के प्रदर्शन से बेहद खुश हूं। मेरे बेटे को लोगों ने डिस्टर्ब किया। उन्हें काफी परेशान किया। उम्मीद है कि कुछ दिनों के लिए अब ऐसा नहीं होगा।' संजू सैमसन के पिता दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे, जो खुद एक फुटबॉल खिलाड़ी रहे। संजू ने दिल्ली में पढ़ाई की और यहीं क्रिकेट की कोचिंग भी ली, लेकिन जब शानदार प्रदर्शन के बावजूद बेटे का अंडर-13 टीम में चयन नहीं हो सका, तो पिता ने वीआरएस ले लिया। वह केरल चले गए, जहां संजू ने ट्रेनिंग ली और जूनियर स्तर पर अपनी चमक बिखेरी। 'क्या उन्हें टीम में मौका दिया जाएगा?' सैमसन विश्वनाथ ने बताया, '18 साल की उम्र में मुझे दिल्ली पुलिस में नौकरी मिल गई थी। मैं 19 की उम्र से दिल्ली पुलिस की फुटबॉल टीम का हिस्सा रहा और 42 की उम्र तक वहीं रहा। मेरे बच्चे बचपन में दिल्ली में ही पले। संजू सैमसन ने एक ही टूर में 500 रन बनाए, लेकिन टीम में जगह नहीं मिल सकी। ये कहा गया कि संजू 10 साल के हैं। ये टूर्नामेंट 13 साल के बच्चों के लिए है। अगर ऐसा ही था, तो मेसी 17 साल की उम्र में, सचिन तेंदुलकर 15 साल की उम्र में टीम में थे। आप कम उम्र की वजह से संजू को टीम में शामिल नहीं कर रहे थे। अगर ऐसा ही शानदार प्रदर्शन अगले साल नहीं होता, तो क्या उन्हें टीम में मौका दिया जाएगा?' 'मैं सभी खराब चीजों को भूल गया हूं' उन्होंने कहा, 'जब बच्चे ने अच्छा प्रदर्शन किया, तो उसे उसका इनाम मिलना चाहिए। जब अंडर-13 में संजू को दिल्ली स्टेट टीम में नहीं चुना गया, तो मैंने वापस केरल लौटने का फैसला लिया। हालांकि, मेरी पत्नी ने इसे लेकर सवाल किए, लेकिन मैंने कहा कि संजू 10 साल की उम्र में जिस तरह प्रदर्शन कर रहे हैं, वैसा 17 साल की उम्र में नहीं खेल सकेंगे। वो आम बच्चों जैसे ही हो जाएंगे।

पिता को याद कर भावुक हुए चैंपियन रिंकू सिंह, खिताब जीतकर भी अधूरा रह गया जश्न

नई दिल्ली। भारत की टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता खानचंद्र सिंह को याद करते हुए भावुक पोस्ट

लिखा। उन्होंने कहा कि पिता ने उन्हें कर्तव्य निभाने की सीख दी थी और उनका सपना पूरा हुआ, लेकिन हर खुशी अब उनके बिना अधूरी लगेगी। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल थी, लेकिन टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह के लिए यह खुशी पूरी तरह से अधूरी रह गई। वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता खानचंद्र सिंह को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक संदेश लिखा, जिसने फैंस को भी भावुक कर दिया। पिता के बिना पहली बड़ी जीत रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का 27 फरवरी को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वे स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे और ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पिता के निधन की खबर रिंकू सिंह को तब मिली थी जब वह भारतीय टीम के साथ टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी कर रहे थे। यह खबर उनके लिए बेहद बड़ा झटका थी। 'आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले' वर्ल्ड कप जीत के बाद रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता को याद करते हुए लिखा कि उनके बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने भावुक शब्दों में लिखा, 'आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी, लेकिन मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी।' रिंकू के इस संदेश ने यह दिखाया कि उनके जीवन में उनके पिता का कितना बड़ा स्थान था। पिता के सपने को पूरा करने की कोशिश रिंकू सिंह ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि उनके पिता ने उन्हें हमेशा सिखाया था कि कर्तव्य सबसे पहले आता है। यही सीख उन्हें मैदान पर मजबूती से खड़े रहने की प्रेरणा देती रही। उन्होंने लिखा, 'आपने सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, इसलिए मैदान पर बस आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। अब आपका सपना पूरा हो गया है, तो बस यही लगता है कि काश आप मेरे पास होते।' अंतिम संस्कार के लिए लौटे थे अलीगढ़ पिता के निधन की खबर मिलने के बाद रिंकू सिंह तुरंत चेन्नई से अपने गृह नगर अलीगढ़ पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपने पिता के अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं। उस दौरान रिंकू गहरे सदमे में नजर आए थे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देते हुए बेहद भावुक दिखे। 'हर खुशी में आपकी कमी खलेगी' रिंकू सिंह ने अपने संदेश में आगे लिखा कि जीवन की हर छोटी-बड़ी खुशी में उन्हें अपने पिता की कमी महसूस होगी। उन्होंने लिखा, 'हर छोटी-बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत मिस करूंगा आपको पापाजी बहुत ज्यादा।' यह संदेश पढ़कर कई क्रिकेट फैंस और साथी खिलाड़ियों ने भी रिंकू के प्रति संवेदना जताई। पिछले वर्ल्ड कप से छूटे, इस बार बने टीम का हिस्सा दिलचस्प बात यह है कि 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में रिंकू सिंह भारतीय टीम के मुख्य स्क्वॉड का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उन्हें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में रखा गया था, लेकिन 2026 में उन्हें टीम में जगह मिली और उन्होंने अपने करियर का पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला। टूर्नामेंट में प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रिंकू सिंह ने पांच मैच खेले। इन मुकाबलों में उन्होंने 24 रन बनाए। उनका औसत आठ और स्ट्राइक रेट 82.75 रहा। हालांकि आंकड़े भले ही बड़े न हों, लेकिन टीम के साथ इस ऐतिहासिक जीत का हिस्सा बनना उनके करियर का खास पल बन गया। टी20 वर्ल्ड कप के बाद अब रिंकू सिंह की नजर इंडियन प्रीमियर लीग 2026 पर है। वह एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और फैंस को उम्मीद है कि रिंकू अपने आक्रामक अंदाज से टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

धोनी-रोहित फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे, विराट कोहली क्यों नहीं गए नरेंद्र मोदी स्टेडियम?

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जहां महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा वीआईपी बॉक्स में मौजूद रहे, वहीं विराट कोहली नजर नहीं आए। इसकी दो वजहें सामने आईं। पहली, उनके पास कोई आधिकारिक भूमिका नहीं थी और दूसरी, कोहली ने संभवतः मैच परिवार के साथ घर पर देखकर टीम की जीत का जश्न मनाया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कई मायनों में यादगार बन गया। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर न सिर्फ खिताब अपने नाम किया, बल्कि टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने वाली पहली टीम भी बन गई। इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा वीआईपी बॉक्स में बैठकर मैच का आनंद लेते नजर आए। दोनों को स्टेडियम में देखकर फैंस बेहद

खुश हुए। हालांकि इसी दौरान एक सवाल भी चर्चा में रहा, और वह है भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस फाइनल में क्यों नहीं पहुंचे? धोनी और रोहित की मौजूदगी बनी चर्चा का विषय फाइनल मुकाबले में जब कैमरा वीआईपी बॉक्स की ओर गया और वहां महेंद्र सिंह धोनी तथा रोहित शर्मा दिखाई दिए तो स्टेडियम में मौजूद फैंस के साथ-साथ टीवी दर्शकों में भी उत्साह बढ़ गया। धोनी ने 2007 में भारत को पहला टी20 वर्ल्ड कप जिताया था, जबकि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2024 में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। ऐसे में दोनों पूर्व विजेता कप्तानों का फाइनल में मौजूद रहना एक खास पल बन गया, लेकिन इसी बीच फैंस को यह भी महसूस हुआ कि भारतीय क्रिकेट का एक और बड़ा नाम, विराट कोहली स्टेडियम में नजर नहीं आया। पहला कारणः आधिकारिक भूमिका का अभाव कोहली की गैरमौजूदगी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि इसके पीछे एक अहम कारण आधिकारिक भूमिका से जुड़ा माना जा रहा है। दरअसल, धोनी और रोहित शर्मा दोनों टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रहे हैं। इसी वजह से उन्हें आयोजन से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रम के तहत फाइनल में आमंत्रित किया गया था। विराट कोहली हालांकि भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाजों में गिने जाते हैं, लेकिन उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप बतौर कप्तान नहीं जीता। इसलिए इस कार्यक्रम में उनकी कोई आधिकारिक भूमिका नहीं थी। दूसरा कारणः परिवार के साथ समय दूसरा संभावित कारण विराट कोहली का पारिवारिक जीवन भी माना जा रहा है। कोहली अब अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलता है। माना जा रहा है कि उन्होंने फाइनल मुकाबला अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर बैठकर देखा। कोहली ने पहले ही कही थी यह बात विराट कोहली ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में अपने भविष्य को लेकर दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जब वह क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास ले लेंगे तो कुछ समय तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आएंगे। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'जब मैं पूरी तरह क्रिकेट से हट जाऊंगा तो मैं गायब हो जाऊंगा, कुछ समय तक आप मुझे नहीं देख पाएंगे। इसलिए जब तक खेल रहा हूं, मैं अपना सब कुछ देना चाहता हूं और यही मुझे आगे बढ़ाता है।' फैंस को फिर भी रही कमी हालांकि धोनी और रोहित की मौजूदगी ने फाइनल का रोमांच बढ़ा दिया, लेकिन विराट कोहली की गैरमौजूदगी को लेकर कई फैंस को थोड़ी निराशा भी हुई। भारतीय क्रिकेट के तीन सबसे बड़े सितारों, धोनी, रोहित और कोहली को एक साथ स्टेडियम में देखना फैंस के लिए एक खास पल होता। फिर भी भारत की ऐतिहासिक जीत और खिताब बचाने की उपलब्धि ने इस रात को भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार बना दिया।

जीत के जोश में कीवी खिलाड़ी पर गेंद फेंकना अर्शदीप को पड़ा महंगा

नई दिल्ली। आईसीसी ने अर्शदीप सिंह पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। खेल की वैश्विक संस्था ने उन पर यह कार्रवाई फाइनल मैच के दौरान डेरिल मिचेल पर गेंद फेंकने के लिए की। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को फाइनल मैच में डेरिल मिचेल पर गेंद फेंकने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सजा दी है। उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया ने शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब

अपने नाम किया। बौखलाए शोएब अख्तर का विवादित बयानः भारत की एकतरफा जीत पर कहा- क्रिकेट बर्बाद हो गया; मना रहे थे कीवी टीम जीते जोश में होश खो बैठे अर्शदीप! अर्शदीप और मिचेल के बीच विवाद उस वक्त हुआ जब भारतीय तेज गेंदबाज न्यूजीलैंड की पारी का 11वीं ओवर डालने आए। ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल डिफेंसिव शॉट खेला और गेंद बाउंस करते हुए अर्शदीप के पास पहुंची। अर्शदीप ने फॉलो थ्रू में गेंद मिचेल के जांघ पर मार दी। इससे मैदान में थोड़ी देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। अर्शदीप सिंह ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड यॉर्कर डाली, जिसे डेरिल मिचेल ने सीधे पिच की तरफ खेल दिया। इसके बाद अर्शदीप ने विकेट की ओर थ्रो मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिचेल की जांघ पर जा लगी। इससे मिचेल काफी नाराज हो गए और वह आक्रामक अंदाज में अर्शदीप की ओर बढ़ते हुए हाथों से इशारे करते नजर आए। स्थिति थोड़ी गरम होती दिखी, तभी सूर्यकुमार यादव बीच में आए और मिचेल के कंधे पर हाथ रखकर उनसे बात करते हुए माहौल को शांत करने की कोशिश की। उधर अंपायर ने भी अर्शदीप सिंह से बात की। दरअसल, वह थ्रो बिल्कुल जरूरी नहीं था, इसलिए इस पर मैदान पर थोड़ी बहस देखने को मिली थी। आईसीसी ने दी सजा अर्शदीप सिंह की इस हरकत के लिए खेल की वैश्विक संस्था ने उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया है।

कब जारी होगा आईपीएल के 19वें संस्करण का कार्यक्रम, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने क्या कहा?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का कार्यक्रम 12 मार्च तक आ सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि आगामी सत्र के शुरूआती 20 दिनों का कार्यक्रम पहले जारी किया जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से होनी है, लेकिन अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। हालांकि, अब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल के आगामी सत्र के कार्यक्रम को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 12 मार्च तक टूर्नामेंट के शुरूआती 20 दिनों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। दो भागों में जारी होगा कार्यक्रम सचिव सैकिया ने बताया कि आईपीएल के 19वें संस्करण का आयोजन 28 मार्च से 31 मई तक होगा। पहले इसकी विंडो 26 मार्च से 30 मई तय की गई थी, लेकिन अब तारीखों में थोड़ा बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा, 'हम 12 मार्च तक आईपीएल 2026 का शेड्यूल घोषित करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल पहले 20 दिनों के मैचों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।' दरअसल, बीसीसीआई शेष मैचों का कार्यक्रम बाद में जारी करेगा ताकि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से मैचों का टकराव न हो। कार्यक्रम की घोषणा में क्यों हो रही देरी? पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं जिस कारण आईपीएल के कार्यक्रम की घोषणा में देरी हुई। दरअसल, जिन तीन राज्यों में आईपीएल के मुकाबले खेले जाने हैं उनके विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान अब तक नहीं हुआ है। इनमें अमस, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं। कोलकाता (पश्चिम बंगाल में) और चेन्नई (तमिलनाडु में) क्रमशः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के घरेलू मैदान हैं, जबकि गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स का दूसरा वेन्यू है। खिताब बचाने उतरेगी आरसीबी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था। आरसीबी की टीम इस बार खिताब का बचाव करने उतरेगी। आरसीबी के फैंस के लिए राहत की बात यह है कि टीम ग्रुप चरण में अपने पांच मुकाबले घरेलू स्टेडियम चिन्नास्वामी में ही खेलेगी। इसके लिए कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से मंजूरी मिल चुकी है।

रुपईडीहा पुलिस की कार्रवाई, 7 डग्गामार वाहन सीज

लखनऊ /बहराइच (संवाददाता)। रुपईडीहा में पुलिस ने अवैध डग्गामार वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत 7 चारपहिया वाहनों को सीज किया गया, जबकि 32 अन्य वाहनों का ई-चालान कर कुल 38,000 रुपए का जुमार्ना वसूला गया। यह कार्रवाई रूपईडीहा सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध वाहन संचालन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई। यह विशेष अभियान पुलिस अधीक्षक, बहराइच के निर्देश पर चलाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और क्षेत्राधिकारी नानपारा के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी रुपईडीहा रमेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार को क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान, अवैध रूप से सवारी ढोने वाले डग्गामार वाहनों की गहनता से जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर, मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत 7 चारपहिया वाहनों को जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 32 वाहनों का ई-चालान किया गया, जिससे 38 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध डग्गामार वाहनों के कारण सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है और यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच कुवैत से लौटीं उर्वशी रौतेला

प्लेन से वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं बेहद डरी हुई'

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच वहां मौजूद भारतीय सेलेब्स वतन लौटने की तैयारी में हैं। वहीं कुछ सेलेब्स पहले ही घर लौट चुके हैं। इन्हीं में से एक अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में कुवैत से वापस लौटते वक्त एक वीडियो शेयर किया। ईरान और इस्त्राइल संकट के बीच कई भारतीय सेलेब्स दुबई और उसके आस पास के शहरों में फंसे हुए हैं। इनमें से कुछ तो वापस आ गए। वहीं कुछ फैंस के साथ अपनी अपडेट्स साझा कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने भी एक वीडियो साझा किया। इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि वो युद्ध के दौरान कुवैत में थीं। एक्ट्रेस ने एक पोस्ट के जरिए इस तनाव की स्थिति में वहां रहने और फिर भारत लौटने की कहानी शेयर की। इस दौरन वे बेहद भावुक दिखीं। तनाव के दौरान कुवैत मे थीं एक्ट्रेस अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ईरान-इस्त्राइल युद्ध के दौरान कुवैत में फंसी हुई थीं। हाल ही में भारत लौटने के बाद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर उस दौरान का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे कहती नजर आईं, मैं अब प्लेन से भारत के लिए रवाना हो चुकी हूं। जब मैं प्लेन में बैठी तो बिल्कुल ठीक थी। मगर फिर भी मुझे काफी डर महसूस होने लगा। मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। मैं नहीं जानती कि ऐसा मेरे साथ क्यों हो रहा है। वीडियो को इंस्टाग्राम में शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि वह इस समय वह काफी असुरक्षित और चिंतित महसूस कर रही थीं। साथ ही उन्होंने फैंस से खुद के लिए प्रार्थना करने की भी गुजारिश की। उर्वशी ने आगे यह भी बोला कि अगर कोई इस वीडियो को देखने के बाद असहज या चिंतित हो उसके लिए वह माफी मंगती हैं। मगर वह अपने मन की बात फैंस को बताना चाहती हैं। कई सितारों ने साझा की थी लौटने की खुशी पिछले दिनों एक्ट्रेस ईशा गुप्ता भी अबू धाबी में थीं। बाद में वह सुरक्षित भारत लौट आई हैं। उन्होंने दिल्ली में लैंड करते ही फैंस का धन्यवाद किया था। वहीं सिंगर हनी सिंह ने भी दुबई में सही सलामत होने की अपडेट फैंस के साथ शेयर की थी। एक्ट्रेस लारा दत्ता ने भी कुछ दिनों पहले एक वीडियो जारी कर बताया था कि वह सुरक्षित हैं और जल्द भारत लौटने की कोशिश कर रहीं हैं। साथ ही फैंस को धन्यवाद भी कहा था।

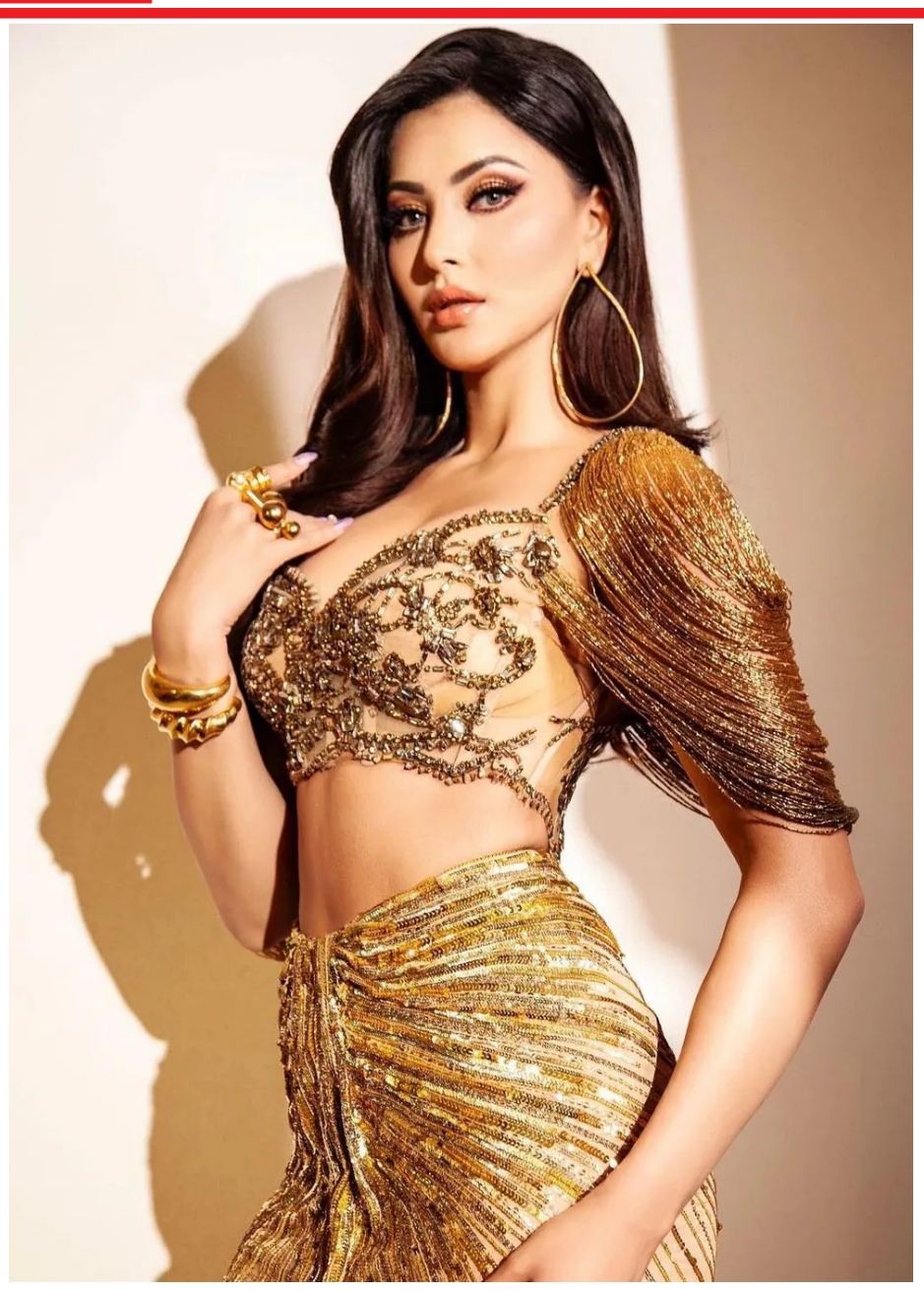

रिसेप्शन के बजाय ऑफ्टर वेडिंग पार्टी करेंगे गौरव और कृतिका

मेहमानों को भेजा स्पेशल इन्विटेशन

एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही स्पोर्ट्स प्रेजेंटर गौरव कपूर से शादी करने वाली हैं। सोशल मीडिया पर इनकी शादी के बाद की ऑफ्टर वेडिंग पार्टी का एक कार्ड वायरल हो रहा है। टीवी सीरियल, फिल्म और वेब सीरीज में अलग पहचान बना चुकीं कृतिका कामरा अपनी जिंदगी की नई शुरूआत करने जा रही है। वह 11 मार्च यानी कल गौरव कपूर से शादी कर रही हैं। दोनों करीबी लोगों और परिवार के बीच रजिस्टर्ड मैरीज करेंगे। दूसरे सेलिब्रिटी की तरह दोनों भव्य शादी नहीं कर रहे हैं। लेकिन इस कपल ने ऑफ्टर वेडिंग पार्टी अपने दोस्तों और करीबी लोगों के लिए प्लान की है। इसी पार्टी का इन्विटेशन कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह इन्विटेशन कार्ड काफी हटकर है। दोस्तों को खास अंदाज में किया इंवाइट कृतिका कामरा और गौरव कपूर की ऑफ्टर वेडिंग पार्टी के कार्ड में लिखा, हम आपके साथ अपने शादी को सेलिब्रेट करना चाहते हैं। जल्दी आइएगा, जब तक चाहे रुकिएगा। यह आफ्टर पार्टी 12 मार्च को होगी। क्या होगी ऑफ्टर पार्टी की थीम? कृतिका कामरा और गौरव कपूर मुंबई में ऑफ्टर वेडिंग पार्टी कर रहे हैं। यह सेलिब्रेशन जैज लाउंज में होगा। इसमें म्यूजिक और एक सुकून भरा माहौल गेस्ट के लिए प्लान किया गया है। इस पार्टी में फिल्म और क्रिकेट की दुनिया से जुड़े सेलेब्स बतौर मेहमान नजर आएंगे। करियर फ्रंट पर क्या रही हैं कृतिका कामरा? शादी से इतर कृतिका कामरा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल एक फिल्म द ग्रेट इंडियन शमशुद्दीन फैमिली में नजर आईं। कृतिका ने टीवी सीरियल कितनी मोहब्बत है से करियर शुरू किया था। यह टीवी का हिट सीरियल था। इसके बाद कुछ सीरियल करने के बाद उन्होंने फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में कदम रखा, अलग-अलग तरह के किरदार निभाए।

आया शेर के लिए द पैराडाइज मेकर्स ने बनाया 2.5 एकड़ का स्लम सेट

आया शेर इस साल की सबसे बड़ी हिट्स में से एक है, जिसने कई भाषाओं में मिलियंस व्यूज बटोरे हैं और इंस्टाग्राम रील्स पर इसका जलवा कायम है। इस विजन को हकीकत में बदलने के लिए, मेकर्स ने एक भव्य स्लम एम्पायर का सेट तैयार किया, जिसमें हीरो को स्लम के सम्राट के रूप में दिखाया गया है। द पैराडाइज का टीजर जब से रिलीज हुआ है, इसे लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। ऑडियंस की तरफ से इसे बहुत ही जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और देखते ही देखते इसने ऑनलाइन मिलियंस में व्यूज बटोर लिए हैं। टीजर ने सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचा दी है और फिल्म को लेकर लोगों की क्यूरियोसिटी को दोगुना कर दिया है। इसी बढ़ते क्रेच की वजह से द पैराडाइज इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म द पैराडाइज के गाने आया शेर ने अपनी जबरदस्त एनर्जी और कमाल के विजुअल्स से लोगों को इम्प्रेस कर दिया है। इस गाने के इतने बड़े लेवल और असली दिखने के पीछे एक बड़ी वजह फिल्म के आर्ट डिपार्टमेंट की मेहनत है, जिन्होंने बहुत ही शानदार सेट्स तैयार किए। इन सेट्स में भव्यता के साथ-साथ असलियत का भी पूरा तालमेल बिठाया गया है। सबसे खास सेटअप्स में से एक हीरो हाउस (कमान सेट) है, यह 60 फीट चौड़ा, 45 फीट ऊँचा और 25 फीट गहरा एक विशाल स्ट्रक्चर है, जिसे खास तौर पर हीरो के दमदार डिप (कपच) वाले सीन के लिए बनाया गया था। शुरूआत में इसे 30 फीट चौड़ा बनाया गया था, लेकिन बाद में दोनों तरफ 15-15 फीट और बढ़ाकर इसकी चौड़ाई 60 फीट कर दी गई। लगभग 25 वर्कर्स ने करीब 20 दिनों तक मेहनत करके इस बड़े स्ट्रक्चर को तैयार किया, और इसे आसपास के माहौल के साथ एकदम असली दिखाने के लिए खास एजिंग (पुराना दिखाने की) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। गाने में एक और अनोखी चीज देखने को मिली है, वो है बिरयानी के बड़े कटोरे जैसा स्ट्रक्चर। इसे तांबे की फिनिश और पुराना लुक दिया गया है ताकि ये एकदम असली और देसी लगे। 10 फीट चौड़ाई, 20 फीट रेडियस और 6 फीट ऊंचाई वाले इस सेटअप को 5-7 लोगों की टीम ने सिर्फ पांच दिनों में तैयार कर दिया था। प्रोडक्शन के लेवल को और बड़ा बनाने के लिए 2.5 एकड़ में फैला वॉटर बॉडी विलेज सेट तैयार किया गया था, जिसमें डमी स्ट्रक्चर्स के बजाय 60 असली घर बनाए गए थे। लगभग 50 वर्कर्स ने 30 दिनों तक मेहनत करके इस गांव को बनाया, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसमें एक साथ करीब 500 लोग आ सकें। पानी का सीन क्रिएट करने के लिए 100 टैंकर पानी मंगवाया गया, जिसे भरने में सात दिन लगे। साथ ही, पानी जमा करने के लिए 20 फीट गहरा एक अलग तालाब भी बनाया गया था। प्रोडक्शन ने एक बहुत बड़ा डंप यार्ड सेट भी तैयार किया, जो 120 फीट लंबा, 50 फीट चौड़ा और 30 फीट ऊंचा था। 25 लोगों की टीम ने 30 दिनों की मेहनत से इसे बनाया, जिसका मकसद एक असली डंप यार्ड जैसा श्रस्टिकश और पुराना लुक देना था। इन सेट्स की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन्हें कुदरती माहौल को नुकसान पहुंचाए बिना बनाया गया। आर्ट डिपार्टमेंट ने बहुत सावधानी से इन स्ट्रक्चर्स को वहां की जमीन और नजारों के साथ जोड़ा। असलियत दिखाने के लिए नेचुरल टेक्सचर्स और श्एजिंगश (पुराना दिखाने की) तकनीक का जमकर इस्तेमाल किया गया। हर सेटअप की प्लानिंग बहुत बारीकी से की गई थी ताकि काम बिना किसी रुकावट के और क्रिएटिव तरीके से पूरा हो सके। सभी जरूरी मंजूरियां लेने के बाद ही फाइनल कंस्ट्रक्शन किया गया।

थलपति विजय-तृषा के अफेयर की अटकलों के बीच बचाव में उतरे विक्रम भट्ट, लिखा-लोग खुशी पाने के लिए रिश्ते में आते..

साउथ के सुपरस्टार थलपति विजय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। पत्नी संगीता संग चल रही तलाक की खबरों के बीच एक्ट्रेस तृषा कृष्णन संग अफेयर की अफवाहों ने और चर्चा बढ़ा दी है। एक शादी के इवेंट में दोनों को साथ देखे जाने के बाद उनकी खूब आलोचना की जा रही हैं। वहीं, इन सबके बीच फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने थलापति विजय और तृषा के सपोर्ट में पोस्ट किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। विक्रम भट्ट ने अपनी पोस्ट में विजय और तृषा का बचाव करते हुए लिखा- विजय और तृषा कृष्णन के निजी जीवन को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मुझे नहीं पता कि ऑनलाइन फैली अफवाहें सच हैं या नहीं, लेकिन अगर वो सच हैं, तो मुझे कुछ बातें कहना जरूरी लगता है। हाल ही में जेल में बिताए समय ने मुझे आजादी का महत्व समझाया है। एक कप चाय की चाहत जो कभी पूरी न हो, उसका क्या मतलब होता है? टूथपेस्ट की तलाश करना कैसा होता है? शाम सात बजे का इंतजार करना कैसा होता है, जब जमानत की अर्जियां आती हैं तो कैसा लगता है। विक्रम ने आगे कहा इससे भी बदतर एक कैद होती है। वो है इंसान की आत्मा की कैद। खुशी की कैद। जब दो लोग एक ऐसे रिश्ते में फंसे रह जाते हैं, जिसका समय समाप्त हो चुका है, लेकिन समाज उस रिश्ते को जारी रखने पर जोर देता है। तो वो भी एक तरह की कैद है। मैं किसी के लिए बेवकूफ बन चुका हूं। दूसरे शब्दों में, मैंने ये सब अनुभव किया है। इंसान का दिल गलती करने वाला होता है। ये वहीं जाता है, जहां इसे खुशी मिलती है। फिल्ममेकर ने आगे लिखा-लोग खुशी पाने के लिए रिश्ते में आते हैं, और खुशी पाने के लिए ही अलग भी होते हैं। अपने बारे में कहूं तो, मैं प्यार के बिना रिश्ते से बाहर निकल जाऊंगा। हो सकता है मैं पैसे लेकर निकलूं। हो सकता है मैं संपत्ति लेकर निकलूं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं अपनी इज्जत और सम्मान के साथ निकलूंगा। मुझे विजय और तृषा में कुछ कमाल का लगता है। किसी चीज के अस्तित्व को नकारने का दिखावा न करने में गरिमा होती है। प्यार को इस तरह न छिपाने में गरिमा है, ये कोई पाप नहीं है। उनकी फिल्में हमारी हैं, उनका निजी जीवन हमारा नहीं है। मैं हमेशा मानवीय हृदय की स्वतंत्रता के लिए खड़ा रहूंगा। उन्हें जीने और प्यार करने का अधिकार है।

पर्सनल लाइफ में चल रही दिक्कतों पर थलापति विजय ने किया रिएक्ट, कहा-ये मुद्दे आपके लायक नहीं..

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय पिछले कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि शादी के 27 साल बाद उनका पत्नी संगीता से तलाक होने जा रहा है। पत्नी ने इसके लिए कोर्ट में अर्जी दे दी है। इन खबरों के बाद एक्टर की पर्सनल लाइफ को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। वहीं, इन सब के बीच हाल ही में थलापति विजय ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और निजी जिंदगी में दखल देने वालों पर रिएक्ट किया है। दरअसल, थलापति विजय हाल ही में एक महिला सम्मेलन में

शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हो रही चर्चा पर बात की और कहा मेरे आस-पास चल रही परेशानियों को लेकर आप चिंता ना करें, ये मुद्दे आपके लायक नहीं हैं और मैं खुद इनका हल निकाल लूंगा। एक्टर ने आगे कहा कि मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है, जब मैं ये देखता हूं कि मेरी वजह से आप तनाव में हैं और परेशान हैं। मालूम हो, थलापति विजय अपनी पत्नी संगीता संग चल रही तलाक की खबरों के बीच तृषा कृष्णनन संग अफेयर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिनों उन्हें एक शादी में एक्ट्रेस तृषा के साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद उनके नए अफेयर की अफवाहों को हवा मिल गई। बताया जा रहा है कि विजय की वाइफ संगीता ने कोर्ट में एक्टर के खिलाफ तलाक के लिए याचिका दायर की है। साथ ही उनके एक्सट्रा मैरिटयल अफेयर की भी बात कही है। इन सब के बीच कहा जा रहा है कि विजय इस मामले को कोर्ट के बाहर ही सुलझाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपनी वाइफ संगीता को 250 करोड़ रुपये की एलिमनी भी ऑफर की है।

नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने..उत्तम नगर मर्डर पर फूटा स्वरा भास्कर का गुस्सा, सीएम रेखा गुप्ता पर साधा निशाना

राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 4 मार्च को 26 साल के तरुण खाटिक की हत्या ने हर किसी को झकझोर दिया। सोशल मीडिया पर इस मर्डर के खिलाफ लोग अपना जमकर रोष जाहिर करते नजर आ रहे हैं। वहीं, अब हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट कर अपना गुस्सा जाहिर किया है। उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। स्वरा भास्कर ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, श्होली के दौरान मुस्लिम पड़ोसियों के साथ झड़प हुई और उसमें तरुण खाटिक की हत्या के बाद पूरा संघी इकोसिस्टम हंगामा मचा रहा है। ये कहानी बहुत उलझी हुई है। दिल्ली पुलिस ने कंफर्म किया है कि इन पड़ोसियों के बीच दशकों पुराना विवाद था। और हिंदू परिवार की बच्ची ने बुर्का पहनी मुस्लिम महिला पर पानी का

गुब्बारा फेंका था। जिसके बाद लड़ाई हुई। उधर, तरुण भी अपने दोस्तों को जिम से बुला लाया। इसके बाद झगड़ा बढ़ा और तरुण के सिर में चोट लगने से वो गिर गया। उसके दोस्त भाग गए। दोनों परिवार के लोगों को अस्पताल में एडमिट करवाया गया। अगले दिन तरुण की अस्पताल में ही मौत हो गई। ये बहुत ही भयावह है और इस मौत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्वरा ने आगे लिखा, अब देखिए नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने क्या किया... उन्होंने मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू लड़के की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की खबर को हेडलाइन्स और पोस्टों में फैलाया और नारा लगाया कि हिंदू खतरे में हैं। पुलिस ने दोषियों को अरेस्ट किया। अब उन पर लीगल तरीके से केस चलना चाहिए। इधर, बजरंग दलध्विश्व हिंदू परिषद भी विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे और मुस्लिम परिवार का घर जला दिया। और कथित तौर पर लूटपाट भी की। आंटी जी रेखा गुप्ता ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और आदेश दिया जिसके बाद दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में मुस्लिम परिवार के घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। बता दें, दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इन पड़ोसियों के बीच सालों पुरानी रंजिश थी, जो होली पर गुब्बार बनकर फूटा।

यूपी में योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार की हलचल तेज, बंगाल चुनाव के बाद ही संभव

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच फिलहाल इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां तत्काल विस्तार के पक्ष में नजर नहीं आ रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के बाद ही योगी सरकार मंत्रिमंडल विस्तार पर निर्णय ले सकती है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले बिहार में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी होनी है। इसके बाद ही उत्तर प्रदेश में टीम योगी में बदलाव या विस्तार की संभावना जताई जा रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और संगठन इन राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त है, इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार कुछ समय के लिए टल सकता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले 26 सितंबर 2021 को भी योगी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार किया गया था। उस समय कुल सात मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, जबकि पलटू राम, संजय कुमार गोंड, संगीता बलवंत बिंद, धर्मवीर प्रजापति, दिनेश खटीक और छत्रपाल सिंह गंगवार को राज्य मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कुल 53 मंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद अब केंद्र सरकार में मंत्री बन चुके हैं, जबकि राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि लोकसभा सदस्य बन गए हैं। इस कारण मंत्रिमंडल में दो पद खाली हो गए हैं। विधायकों की संख्या के आधार पर उत्तर प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में अभी भी मंत्रिमंडल में नौ पद रिक्त हैं।

ईंधन संबंधी चिंताओं के बीच भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म

पाइपलाइन के जरिए बांग्लादेश को भेजा 5000 टन डीजल

ढाका (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ईंधन संकट के बीच, भारत ने बांग्लादेश के प्रति सहयोग का उदाहरण पेश किया। इसके तहत भारत ने 5000 टन डीजल पाइपलाइन के जरिए बांग्लादेश भेजा। यह आपूर्ति समझौते के तहत छह महीने की जरूरतों का हिस्सा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ईंधन संकट के बीच भारत ने पड़ोसी बांग्लादेश के प्रति सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया है। इसके तहत भारत बांग्लादेश को आज 5,000 टन डीजल पाइपलाइन के माध्यम से भेजा जा रहा है, जो आपूर्ति समझौते के तहत छह महीने की जरूरतों का हिस्सा है। तेल को लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच भारत का यह कदम न सिर्फ क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि सहयोग और भरोसे की मिसाल भी पेश करता है। बता दें कि यह डीजल परबतिपुर सीमा के रास्ते बांग्लादेश में प्रवेश करेगा। यह जानकारी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) के चेयरमैन मुहम्मद रेजानुर रहमान ने दी।चेयरमैन रेजानुर रहमान ने एएनआई से बातचीत में बताया कि हमारा भारत के साथ एक समझौता है। इसके तहत भारत हर साल 1,80,000 टन डीजल बांग्लादेश को पाइपलाइन के माध्यम से भेजेगा। आज जो 5,000 टन डीजल आ रहा है, वह उसी समझौते का हिस्सा है। हर छह महीनों में 90000 टन डीजल आयात जरूरी- रहमान रहमान ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार, हर छह महीने में कम से कम 90,000 टन डीजल आयात करना जरूरी है। आज जो डीजल आ रहा है वह 5,000 टन है। हमें उम्मीद है कि अगले दो महीनों में हम छह महीने का पूरा डीजल आयात कर लेंगे। ध्यान रहे कि इससे पहले इस सप्ताह बांग्लादेश सरकार ने ईंधन की उपलब्धता की जांच के लिए अभियान चलाया। बांग्लादेश ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि हाल की स्थिति में कुछ लोग ईंधन का जमाखोरी कर कृत्रिम कमी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ईंधन की बिक्री वाहन की श्रेणी के अनुसार सीमित गौरतलब है कि बांग्लादेश सरकार ने देश में ईंधन की बिक्री को वाहन की श्रेणी के अनुसार सीमित कर दिया है। बावजूद इसके, कई पेट्रोल पंपों पर नियमों से अधिक ईंधन बेचा जा रहा है, अतिरिक्त स्टॉक जमा किया जा रहा है और कभी-कभी खुले बाजार में बिक्री या तस्करी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। इसको रोकने के लिए बांग्लादेश सरकार ने मोबाइल कोर्ट अभियान भी चलाया। एक दो पेट्रोल पंप का उदाहरण समझिए इसके तहत राजधानी ढाका में कुछ पेट्रोल पंप, जैसे कि सिटी फिलिंग स्टेशन, तेजगांव (एमपीएल), जहां कल से खाली ईंधन आने के बाद संचालन फिर से शुरू होगा। वहीं क्लीन फ्यूल, तेजगांव (पीओपीएलसी) जो सभी नियमों का पालन करते हुए काम कर रहा है।

'हमलों के लिए इराक को न करें लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल', पीएम अल-सुदानी की अमेरिका को दो टूक

बगदाद (एजेंसी)। इराक के प्रधानमंत्री अल-सुदानी ने अमेरिकी विदेश मंत्री से कहा कि इराक की जमीन और आसमान का इस्तेमाल किसी भी हमले के लिए न हो। उन्होंने इराक को क्षेत्रीय युद्ध से दूर रखने पर जोर दिया। इसी बीच, ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी एयर बेस पर पांच मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी ली है। यह कूटनीतिक बातचीत ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में सुरक्षा के हालात बहुत खराब हैं। लड़ाई शुरू होते ही इराक के आसमान में कई तरफ से आती मिसाइलें और लड़ाकू विमान दिखने लगे थे। प्रधानमंत्री के मीडिया ऑफिस ने बताया कि फोन पर

हुई इस बातचीत में सुदानी ने एक बड़ी बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पक्का करना जरूरी है कि इराक की जमीन, आसमान और पानी का इस्तेमाल पड़ोसी देशों पर हमले के लिए न हो। प्रधानमंत्री इराक को बढ़ती हिंसा से बचाना चाहते हैं। बगदाद सरकार अपनी सीमाओं के बिना इजाजत इस्तेमाल के खिलाफ खड़ी है। सुदानी ने अमेरिकी अधिकारी से कहा कि इराक को इन झगड़ों में घसीटने की कोशिश न की जाए। उन्होंने किसी भी पक्ष की तरफ से इराक की सीमाओं के उल्लंघन की कड़ी निंदा की। इराक शांति की कोशिश कर रहा है, लेकिन युद्ध की आग उसकी सीमाओं के भीतर पहुंच चुकी है। ईरान की सेना (आईआरजीसी) ने उत्तरी इराक में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने बताया कि उन्होंने इराक के कुर्दिस्तान में स्थित 'हरीर एयर बेस' पर हमला किया। यह एयर बेस अमेरिकी सेना का मुख्य केंद्र है। ईरानी सेना ने बताया कि इस सैन्य ठिकाने पर पांच मिसाइलें दागी गईं। अल जजीरा के मुताबिक, यह हमला इलाके में बढ़ते तनाव का बड़ा संकेत है। हरीर एयर बेस अंतरराष्ट्रीय गठबंधन सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण जगह है। इसलिए अमेरिकी मुख्यालय को निशाना बनाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुदानी ने साफ कर दिया है कि वे अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

जांच में टॉमहॉक मिसाइल के इस्तेमाल का संकेत

ट्रंप और ईरान ने जड़े एक दूसरे पर आरोप

तेहरान (एजेंसी)। ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका पश्चिम एशिया संघर्ष अब ट्रंप की चिंता बढ़ाता नजर आ रहा है। कारण है कि बीते दिनों ईरान के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर बड़ा दावा सामने आया है। सवाल ये उठने लगे हैं कि क्या अमेरिका ने किया था ईरान के स्कूल पर हमला, जिसमें 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हो गई थी? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्त्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच बीते दिनों ईरान के मिनाब शहर में हुए एक भीषण धमाके को लेकर नई जानकारी सामने आई है। जांच करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला संभवतः अमेरिका की टॉमहॉक क्रूज मिसाइल से किया गया था। यह धमाका एक स्कूल के पास हमला हुआ, जिसमें 165 से अधिक मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी। बता दें कि यह घटना 28 फरवरी को ईरान के दक्षिणी होर्मोज्गान प्रांत के शहर मिनाब में हुई। यहां एक स्कूल के पास जोरदार विस्फोट हुआ था। यह स्कूल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के एक सैन्य अड्डे के बिल्कुल पास स्थित है। नया वीडियो में क्या-क्या दावे? जहां एक ओर इस हमले के चलते दुनियाभर में हलचल तेज हो गई थी। वहीं दूसरी ओर जांच करने वाली संस्था बेलिंगकैट ने एक नया वीडियो विश्लेषित किया है। यह वीडियो उसी दिन रिकॉर्ड किया गया था जब हमला हुआ था, लेकिन इसे बाद में ईरान की समाचार एजेंसी मेहर समाचार एजेंसी ने जारी किया। वीडियो में एक मिसाइल इमारत से टकराती दिखाई देती है और उसके बाद आसमान में काला धुआं उठता नजर आता है। ट्रंप ने ईरान पर भी लगा दिया आरोप हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में कहा कि उनके अनुसार यह हमला ईरान ने खुद किया होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के पास भी टॉमहॉक मिसाइल हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ईरान के पास यह मिसाइल है। टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन बनाती है और इसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ सहयोगी देशों को ही बेचा जाता है। जब पत्रकारों ने पूछा कि उनके प्रशासन में सिर्फ वही ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है और जो भी आधिकारिक रिपोर्ट आएगी, वह उसे मान लेंगे। सैटेलाइट तस्वीर में क्या दिखा? समाचार एजेंसी एपी ने इस वीडियो की लोकेशन की जांच की और पाया कि यह वीडियो स्कूल के पास ही रिकॉर्ड किया गया था। सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो में दिख रहे बिजली के खंभे, इमारत और गाड़ियों से इसकी पुष्टि होती है। इसके साथ ही बेलिंगकैट के शोधकर्ता ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल टॉमहॉक क्रूज मिसाइल जैसी लगती है। यह मिसाइल आमतौर पर अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती है। अभी तक इस युद्ध में इसी मिसाइल का इस्तेमाल अमेरिका द्वारा किए जाने की बात सामने आई है। अमेरिकी सेना ने स्वीकारी टॉमहॉक मिसाइल के इस्तेमाल की बात अमेरिकी हमले के शक के पीछे बड़ा कारण यह भी है कि अमेरिकी सेना की कमान संयुक्त राज्य अमेरिका मध्य कमान ने भी स्वीकार किया है कि उसने इस युद्ध में टॉमहॉक मिसाइल का इस्तेमाल किया है।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

ईरान (एजेंसी)। ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक बांग्लादेशी और पांच पाकिस्तानी शामिल हैं। क्या यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी थी या सोशल मीडिया पर सेंसरशिप का नया कदम? पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं।

स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-करप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री को राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा माना मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में भ्रामक वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है। बहरीन ने नागरिकों और प्रवासियों को दी चेतावनी ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की पांच खिलाड़ियों को दिया आश्रय, मानवीय वीजा देने का किया फैसला

कैनबरा (एजेंसी)। ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय आधार पर शरण दे दी है। खिलाड़ियों को डर था कि युद्ध के बीच ईरान लौटने पर उन्हें सत्ता और सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर मानवीय वीजा दिया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान की महिला फुटबॉल टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने टीम की पांच खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर शरण दे दी है। ये खिलाड़ी एशियाई टूर्नामेंट खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया आई थीं। युद्ध शुरू होने के बाद उनके ईरान लौटने को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया सरकार ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर मानवीय वीजा देने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि मंगलवार तड़के ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने खिलाड़ियों को गोल्ड कोस्ट स्थित होटल से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहां उनसे मुलाकात की गई और उनके मानवीय वीजा की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। सरकार का कहना है कि यह फैसला मानवीय परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया है, क्योंकि ईरान इस समय युद्ध की स्थिति से गुजर रहा है। खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में शरण क्यों दी गई? ईरान की महिला फुटबॉल टीम पिछले महीने महिला एशियन कप खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद टीम को ईरान लौटना था, लेकिन इसी दौरान अमेरिका और इस्त्राइल के साथ युद्ध तेज हो गया।

एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा, पेंटागन पर किया मुकदमा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने पेंटागन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। दरअसल बीते दिनों पेंटागन ने एंथ्रोपिक को आपूर्ति श्रृंखला खतरा कैटेगरी में वर्गीकृत कर दिया था। कंपनी ने इसका विरोध किया है और सरकार के इस फैसले के खिलाफ अदालत का रुख किया है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने सोमवार को अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और अन्य संघीय एजेंसियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन के उस फैसले के खिलाफ ये मुकदमा दायर किया है, जिसमें एंथ्रोपिक को 'आपूर्ति श्रृंखला जोखिम' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एंथ्रोपिक ने सरकार के कदम को बताया गलत यह मामला अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और दुनिया की प्रमुख एआई कंपनियों के बीच चल रही खींचतान का उदाहरण है। किसी कंपनी को आपूर्ति श्रृंखला जोखिम कैटेगरी में तब डाला जाता है, जब उस पर विदेशी विरोधियों से जुड़े होने का शक होता है। इससे एंथ्रोपिक कंपनी के पेंटागन के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है। एंथ्रोपिक का आरोप है कि उसे आपूर्ति श्रृंखला कैटेगरी में वर्गीकृत करना और ट्रंप सरकार द्वारा कंपनी को तकनीक का उपयोग बंद करने का निर्देश देना कानूनी रूप से गलत है। कंपनी ने सरकार के इन कदमों से कड़ी नाराजगी

जाहिर की है। क्या है विवाद मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन, एंथ्रोपिक कंपनी के एआई मॉडल क्लाउड (उ'र्थी) का इस्तेमाल कई सरकारी और सैन्य कामों में करना चाहता था, लेकिन कंपनी ने साफ कर दिया कि उसकी एआई तकनीक का इस्तेमाल नागरिकों की निगरानी के काम में नहीं होना चाहिए। कंपनी यह भी नहीं चाहती कि उसकी एआई तकनीक का इस्तेमाल हथियारों में हो, जिसकी मदद से ऐसे हथियार विकसित किए जाएं, जिन्हें कंट्रोल करने के लिए इंसानों की भी जरूरत न रहे। पेंटागन इन शर्तों से नाराज हो गया और उसने इन शर्तों को मानने से मना कर दिया। इसके बाद फरवरी 2026 में एंथ्रोपिक को अमेरिकी सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला खतरा घोषित कर दिया। जिसका मतलब है कि अमेरिकी सरकार अब इस कंपनी को संभावित सुरक्षा खतरे के रूप में देखती है। क्या है आपूर्ति श्रृंखला खतरा कैटेगरी में वर्गीकृत होने का मतलब? आपूर्ति श्रृंखला खतरा श्रेणी में वर्गीकृत होने का मतलब है कि सरकारी एजेंसियां और सरकारी कॉन्ट्रैक्टर्स ऐसी कंपनियों की तकनीक इस्तेमाल करने से बचते हैं। इससे एंथ्रोपिक की तकनीक का सरकारी प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल बंद हो सकता है और कंपनी के कारोबार को भारी नुकसान हो सकता है। एंथ्रोपिक के सीईओ ने जताई चिंता एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने अमेरिकी सरकार के फैसले पर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि एआई जैसी ताकतवर तकनीक को लेकर जिम्मेदार नियम बनाने जरूरी हैं और अगर कंपनियों द्वारा नैतिकता और सुरक्षा की बात करने पर उन्हें इस तरह से सजा मिलेगी तो इससे टेक इंडस्ट्री में गलत संदेश जाएगा।

हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स में लगा कर्फ्यू, मोबाइल इंटरनेट सेवाएं की गईं निलंबित

मेघालय (एजेंसी)। मेघालय के गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी हिंसा के बाद से कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके साथ ही मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित किया गया है। गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (जीएचएडीसी) चुनाव नामांकन प्रक्रिया से जुड़ी हिंसा के बाद मेघालय के पश्चिम गारो हिल्स जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया। इसके बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। यह जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि कर्फ्यू 10 मार्च को लगाया गया था और यह 24 घंटे तक लागू रहेगा, जबकि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 48 घंटे तक निलंबित रहेंगी। उपद्रवियों ने कई दुकानों में तोड़फोड़ किया सोमवार शाम को जिले के चिबिनांग इलाके में उपद्रवियों ने कई दुकानों में तोड़फोड़ किया। इसके बाद इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया। जिला मजिस्ट्रेट विभोर अग्रवाल ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक शांति और व्यवस्था में व्यवधान की संभावना से संबंधित सूचनाओं के बाद लिया गया, जिससे जिले में मानव जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता है। इस आदेश के तहत कर्फ्यू की अवधि के दौरान पश्चिम गारो हिल्स जिले की सीमा के भीतर किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। इंटरनेट सेवाओं को 48 घंटे के लिए निलंबित अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए ये प्रतिबंध आवश्यक और उचित थे। इनका उद्देश्य सार्वजनिक शांति में किसी भी प्रकार की बाधा को रोकना था।

अरुणाचल के पासीघाट के जंगल में लगी आग बुझाने के मिशन पर आईएएफ

हेलीकॉप्टर से गिराया 66,000 लीटर पानी

अरुणाचल प्रदेश (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट के जंगल में आग लगी है। इस आग को बुझाने के लिए आईएएफ मिशन पर जुट गया है। आईएएफ ने हेलीकॉप्टर से 66,000 लीटर पानी गिराया। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मंगलवार को पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एक एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। इसके साथ ही आग पर काबू पाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा। 66,000 लीटर पानी गिराया एक एक्स पोस्ट में, भारतीय वायु सेना ने उन क्षेत्रों में फैली भीषण आग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। इसके साथ ही एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर की मदद से आग बुझाने के प्रयासों को भी दिखाया। पोस्ट में लिखा था, ₹#कअत्रने अरुणाचल प्रदेश में तुरंत प्रतिक्रिया और सटीक परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पासीघाट के मेबो और सिगार क्षेत्रों में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए ट्र-17 श्5 हेलीकॉप्टर तैनात किया। कई उड़ानों के दौरान,

आईएएफ ने आग पर काबू पाने और आसपास की बस्तियों को बचाने के लिए 66,000 लीटर पानी छोड़ा ह फरवरी में भी आईएएफ पूर्वोत्तर में बुझाया था आग इससे पहले 18 फरवरी को, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने पूर्वोत्तर में दो अलग-अलग मोर्चों पर भयंकर जंगल की आग से मुकाबला किया। इसमें दुर्गम इलाकों और बेहद कठिन उड़ान परिस्थितियों में भारी-भरकम हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया।अरुणाचल प्रदेश के वालॉन्ग में, भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने प्रभावित क्षेत्र पर 139,800 लीटर पानी गिराने के बाद एक भीषण आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया। इसी बीच, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय सेना ने 8 मार्च, 2026 को उत्तराखंड की टिहरी झील के ऊपर कॉम्बैट फ्री-फॉल और स्टैटिक लाइन पैरा-ड्रॉप के माध्यम से अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए एक संयुक्त अभ्यास किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।